मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 181
गुरुवार, 16 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

नवी मुंबई में पीएम मोदी ने इस्कॉन मंदिर का किया उद्घाटन

नवी मुंबई, 15 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन किया और पूजा-अर्चना की। उनके साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, सीएम देवेन्द्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने मंच साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज ज्ञान और भक्ति की इस महान धरती पर इस्कॉन के प्रयासों से श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर का उद्घाटन हो रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसे अलौकिक अनुष्ठान में अपनी भूमिका निभाने का पुण्य प्राप्त हुआ है।

मोदी ने कहा कि मैं अभी देख रहा था कि श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर परिषद की जो रूपरेखा है, इस मंदिर के पीछे जो विचार है, इसका जो स्वरूप है, उसमें अध्यात्म और ज्ञान की सम्पूर्ण परंपरा के दर्शन होते हैं। मंदिर में ईश्वर के विविध स्वरूपों के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि ये मंदिर परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को भी समृद्ध करने का एक पुण्य केंद्र बनेगा। मैं इस पुनीत कार्य के लिए इस्कॉन के सभी संतों और सदस्यों को और महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज इस मौके पर मुझे परम श्रद्धेय गोपालकृष्ण गोस्वामी महाराज का भावुक स्मरण भी हो रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनका विजन जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अगाध भक्ति का आशीर्वाद जुड़ा हुआ है। आज वो

भौतिक शरीर से भले ही यहां न हो, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति हम सब महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दुनियाभर में फैले इस्कॉन के अनुयायी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की डोर से बंधे हैं। उन सबको एक-दूसरे से कनेक्ट रखने वाला एक और सूत्र है, जो चौबीसों घंटे हर भक्त को दिशा दिखाता रहता है। ये श्रील प्रभुपाद स्वामी के विचारों का सूत्र है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने उस समय वेद-वेदांत और गीता के महत्व को आगे बढ़ाया जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था। उन्होंने भक्ति वेदांत को जनसामान्य की चेतना से जोड़ने का अनुष्ठान किया।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया के हर कोने में करोड़ों लोगों को उनकी तपस्या का प्रसाद मिल रहा है। श्रील प्रभुपाद स्वामी की सक्रियता, उनके प्रयास आज भी हमें प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं में बंधा भूमि का एक टुकड़ा मात्र नहीं है।

भारत एक जीवंत धरती है, एक जीवंत संस्कृति है। और, इस संस्कृति की चेतना है- यहां का आध्यात्म! इसलिए, यदि भारत को समझना है, तो हमें पहले आध्यात्म को आत्मसात करना होता है। मोदी ने कहा कि जो लोग दुनिया को केवल भौतिक दृष्टि से देखते हैं, उन्हें भारत भी अलग-अलग भाषा और प्रांतों का समूह नजर आता है।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मंत्री ज्योति प्रिया मल्लिक को राहत, राशन वितरण घोटाले में मिली जमानत

कोलकता, 15 जनवरी। पश्चिम बंगाल के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक, जिन्हें कथित राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में 2023 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किया गया था, को बुधवार को कोलकाता उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी। 2011 से 2021 तक राज्य के खाद्य मंत्री रहे मल्लिक को ईडी द्वारा 20 घंटे की पूछताछ के बाद 27 अक्टूबर, 2023 को गिरफ्तार किया गया था। बैंकशाल कोर्ट में अदालत कक्ष में मौजूद एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत ने मलिक को 50 लाख के निजी बांड और 50,000 के जमानत बांड और 25,000 प्रत्येक की दो जमानत राशि पर जमानत दे दी। मामले के अन्य आरोपियों, जिनमें चावल

मिल मालिक बकीबुर रहमान और उत्तर 24 परगना के स्थानीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शंकर आध्या शामिल हैं, को पिछले साल अगस्त में जमानत दे दी गई थी। जनवरी 2024 में ईडी ने कोलकाता की एक अदालत को सूचित किया कि यह घोटाला, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए सब्सिडी वाले खाद्यान्न को खुले बाजार में बिक्री के लिए ले जाना शामिल था, का अनुमान लगभग 20,000 करोड़ था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फरवरी 2024 में मलिक को सरकार से हटा दिया, जहां वह उस समय राज्य के वन और औद्योगिक पुनर्निर्माण मंत्री के रूप में कार्यरत थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता सुजन चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के करीबी नेताओं को जमानत दी जा रही है। चक्रवर्ती ने कहा कि टीएमसी और केंद्रीय एजेंसियों के बीच एक मौन सहमति है।

कर्नाटक कांग्रेस में तकरार, गुटबाजी को नियंत्रण में रखने के लिए एआईसीसी की तरफ से आया सख्त निर्देश

कर्नाटक, 15 जनवरी। कर्नाटक कांग्रेस के भीतर बढ़ते तनाव को रोकने के लिए, गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पुष्टि की कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने पार्टी सदस्यों को सार्वजनिक रूप से नेतृत्व के मामलों पर चर्चा करने से परहेज करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके डिप्टी डीके शिवकुमार के समर्थकों के बीच बढ़ते तनाव के बीच 13 जनवरी को आयोजित कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के दौरान दिया गया था, जो कथित तौर पर सत्ता-बंटवारे और कैबिनेट की गतिशीलता को लेकर मतभेद में थे।

पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली और सहकारिता

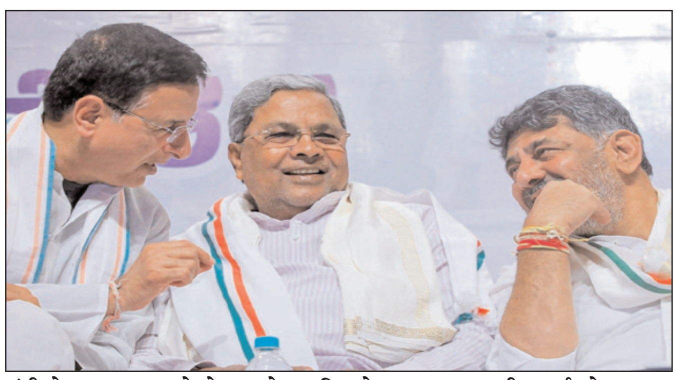

मंत्री केएन राजन्ना ने नेतृत्व के मुद्दों पर खुलकर टिप्पणी की। सीएलपी की बैठक के उसी दिन, बैठक में शामिल हुए राजन्ना ने कहा कि अगर वे मुझे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का पद देते हैं, तो मैं इसे स्वीकार करूंगा। मैं अपना मंत्री पद छोड़ने के लिए भी तैयार हूं। प्रतिबंध के आदेश के दो दिन बाद जारकीहोली ने कहा कि निचले स्तर पर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन यह शीर्ष स्तर पर होनी चाहिए। यह किसी की जिद का सवाल नहीं है. हमारी एक ही मांग है कि किसी ऐसे व्यक्ति को बनाया जाए जो नौकरी के लिए पूरा समय समर्पित कर सके।

उन्होंने पहले के एक संचार की ओर इशारा किया, जिसमें 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद नेतृत्व परिवर्तन का सुझाव दिया गया था और कहा बातचीत हुई थी और केसी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर के साथ एक नोट भी था कि लोकसभा चुनावों के बाद पद छोड़ना होगा। इसलिए अब वे यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि क्या वही व्यक्ति जारी रहेगा या क्या उन्हें नेताओं को एक साथ लाना चाहिए और एक नए व्यक्ति पर निर्णय लेना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों को रोकने के इरादे से हाईकमान के प्रतिबंध आदेश का तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ा है, जिससे पार्टी नेतृत्व को इसके परिणामों से निपटने के लिए छोड़ दिया गया है।

भारत दो माह में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लेगा: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 15 जनवरी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत अगले दो माह में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लेगा। पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण का चलन 2001 में एक प्रायोगिक परियोजना (पायलट प्रोजेक्ट) के रूप में शुरू हुआ था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर्स ने 100 प्रतिशत जैव-एथनॉल पर चलने वाले वाहनों का विनिर्माण शुरू कर दिया है। गडकरी ने कहा कि देश में प्रदूषण एक गंभीर समस्या है क्योंकि दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 42 भारत में हैं। उन्होंने कहा, हम 22 लाख करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन आयात करते हैं। इससे भी प्रदूषण

हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2023 में 20 प्रतिशत एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल पेश किया था। इसमें पहले चरण में 15 शहरों को शामिल किया गया था। गन्ने के साथ-साथ टूटे चावल और अन्य कृषि उत्पादों से निकाले गए एथनॉल के इस्तेमाल से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता भारत आयात पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। भारत अपनी कच्चे तेल जरूरतों को पूरा करने के लिए 85 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। ई20 के उपयोग से दोपहिया वाहनों में कार्बन मोनोऑक्साइड उत्सर्जन में लगभग 50 प्रतिशत और चारपहिया वाहनों में शुद्ध पेट्रोल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है। औसतन 10 प्रतिशत मिश्रण प्राप्त करने का लक्ष्य जून, 2022 में प्राप्त किया गया, जो नवंबर, 2022 की समयसीमा से काफी पहले था।

दिल्ली में उत्तर प्रदेश, बिहार के लोगों के साथ कोरोना काल में सौतेला व्यवहार किया गया : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने दिल्ली में नौकरी कर रहे उत्तर प्रदेश, बिहार के लोगों से अपील करते हुए बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान करते समय वे याद रखें कि कोरोना काल में उनके साथ किस तरह सौतेला व्यवहार किया गया था। मायावती ने यह भी दावा किया कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी शानदार प्रदर्शन करेगी और अगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुए तो परिणाम चौंकाने वाले होंगे। मायावती ने अपने 69वें जन्मदिन के मौके पर लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया जिसमें उन्होंने स्वयं रचित एक किताब का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा, ह्यह्यदेश की राजधानी दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए बसपा की पूरी तैयारी है और पार्टी अकेले चुनाव लड़ रही है।

महाकुंभ में होगा 2.5 लाख करोड़ का कारोबार

- इसमें से 25 हजार करोड़ केवल सरकारी सुविधाओं से मिलेगा
- यह आयोजन भारत और विश्व में धार्मिक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी

सुरेश गांधी

प्रयागराज। महाकुंभ में 45 दिनों में 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इससे सरकार को 2.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार मिलने की उम्मीद है। यानी 69,990 करोड़ के बजट से 2.5 लाख करोड़ की कमाई होगी। मतलब साफ है महाकुंभ एक बड़ा बाजार बन गया है. इस महाकुंभ का बजट 6,9990 करोड़ है. ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस मेला में 2.5 लाख करोड़ का कारोबार हो सकता है. खास यह

है कि इसमें से 25 हजार करोड़ केवल सरकारी सुविधाओं से मिलेगा। कहा जा सकता है इस भव्य आयोजन के तले व्यापार भी तगड़ा हो रहा है. क्योंकि इस बार सरकार ने इस आयोजन के लिए बहुत बड़ी तैयारी की है. पिछले कुंभ मेला (2019) के मुकाबले यह बजट काफी ज्यादा है. इसमें 3,700 करोड़ रुपये की लागत वाली 700 प्रोजेक्ट थीं. एक अनुमान के मुताबिक 5,000 करोड़ रुपये का व्यापार पूजा सामग्री, 4,000 करोड़ रुपये का डेयरी प्रोजेक्ट और 800 करोड़ रुपये का फूलों से कारोबार होने की संभावना है. लग्जरी होटलों से 6,000 करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है.

इस साल मेले में कई प्रकार के टेंट बनाए गए हैं. इनमें 1.6 लाख टेंट, 2,200 लग्जरी टेंट और छोटे टेंट शामिल हैं. लक्जरी टेंट का किराया 18,000 से 20,000 रुपये प्रति रात है. प्रीमियम टेंट की कीमत 1 लाख रुपये तक जा सकती है. यूपी सरकार ने इन टेंट्स को प्राइवेट प्लेयर को किराए पर देने के लिए बोली प्रक्रिया शुरू की. इससे भी सरकार को बड़ी इनकम हो रही है. फूड कोर्ट और स्टॉल्स में भी भारी निवेश हुआ है. कई बड़े ब्रांड जैसे स्टारबक्स, कोका कोला और डोमिनोज इस मेला में अपने आउटलेट्स लगा रहे हैं.

कारोबारियों का लक्ष्य है कि वे 100-200 करोड़ रुपये का कारोबार करना है. कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल का कहना है, एक अनुमान के तहत इस महाकुंभ में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होने की उम्मीद है। यह आयोजन भारत और विश्व में धार्मिक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।खंडेलवाल के मुताबिक, इस आयोजन से प्रयागराज और आसपास के शहरों में व्यापार को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। रेलवे, वायु सेवाओं और सड़क परिवहन को भी बड़ी आय होने की संभावना है। एक अनुमान के अनुसार, अगर धार्मिक यात्रा के दौरान प्रति व्यक्ति 5,000 रुपये खर्च होते हैं, तो कुल आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा।

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

-ललित गर्ग

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये।

2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने।

बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को ?शांत कर लिया है।

यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश ?सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है।

बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है। वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं। इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है। हैरानी नहीं कि यह बांग्लादेश से पाकिस्तान की हालिया नजदीकी किसी बड़ी दुर्घटना या आतंकी हमले का सबब बन जाये। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। भारत को यह देखना होगा कि कहीं ये दोनों देश मिलकर उसके खिलाफ कोई ताना-बाना तो नहीं बुन रहे हैं? निश्चित रूप से पिछले दिनों बांग्लादेश से रिश्तों में जिस तरह से अविश्वास एवं कडवाहट उपजी है, उसके चलते भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत के लिए यही उचित है कि वह पाक-बांग्लादेश के संभावित गठजोड़ से सावधान रहे। भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए। बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश यानी बीजीबी में कई बार बातचीत के बाद बाड़बंदी मुद्दे पर सहमति बन चुकी है। लेकिन बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आता है। ऐसा ही रवैया उसका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी रहा है, जिस बारे में वह अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका हो। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका यह रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा।

महाराष्ट्र में अमित शाह की विशाल रैली के बाद मची राजनैतिक हलचल

अशोक भाटिया

शिरडी में अमित शाह की विशाल रैली ने दिखाया कि भाजपा ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर जाने का फैसला किया है। भारतीय जनता पार्टी का राज्य स्तरीय सम्मेलन शिरडी में आयोजित किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने राजनीति को दबाव देते हुए कहा कि असली शिवसेना और असली एनसीपी की जीत हुई है। शाह ने बीएमसी चुनावों में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शिरडी में अपने भाषण में शिवसेना नेताओं उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर कटाक्ष किया था। क्योंकि इन दोनों पार्टियों ने बीजेपी को सत्ता से बाहर रखने के लिए खतरनाक चाल चली थी. यह अमित शाह के भाषण में परिलक्षित हुआ। अमित शाह ने शरद पवार और उद्धव ठाकरे पर तंज कसा। विपक्षी दलों की आलोचना होनी चाहिए, लेकिन पवार और ठाकरे की आलोचना करके शाह ने दिखा दिया कि महाराष्ट्र कैसे इन दो नेताओं की वजह से पिछड़ गया है.

पवार ने इतने वर्षों तक देश में मंत्री के रूप में कार्य किया लेकिन किसान आत्महत्याओं को नहीं रोक सके। ठाकरे के साथ भी ऐसा ही हुआ। ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने भाजपा की पीठ में छुरा घोंपा है। भाजपा, शिंदे और अजीत पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अभूतपूर्व जीत हासिल की। शाह ने पवार और ठाकरे की पार्टियों को खारिज करने के लिए महाराष्ट्र के लोगों को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि पिछले चुनावों पर है और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से इसके लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। भाजपा का नारा पंचायत से संसद तक है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह इस साल के स्थानीय निकाय चुनावों से सच होगा। शाह का यह बयान कि यह भाजपा के इतिहास का सबसे बड़ा सम्मेलन है, वास्तव में वहां था। ऐसा इसलिए क्योंकि विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत से भाजपा में काफी आत्मविश्वास पैदा हुआ है और यह भाजपा के इस आयोजन में परिलक्षित हुआ।

स्वागत बोर्डों, भगवा झंडों, भाजपा के नारों ने साईंनगरी को हिला दिया था और इसने समग्र वातावरण में एक भगवा जीवंत वातावरण बनाया था। शाह के भाषण ने इन सभी चीजों को प्रतिबिंबित किया और भाजपा के भविष्य की कार्रवाई का विचार भी दिया। अमित शाह ने महा विकास अघाड़ी पर निशाना साधा क्योंकि महा विकास अघाड़ी एक घरेलू गठबंधन है। इस गठबंधन के तीनों दल एक-दूसरे पर पॉटशॉट लेने में लगे हुए हैं और ये इसे खो चुके हैं। गांव में भी नहीं। भाजपा और कांग्रेस में बहुत बड़ा अंतर है। पहले कांग्रेस के नेता और राज्यों के मुख्यमंत्री कांग्रेस की रैलियों में जयकार करते थे। कार्यकर्ताओं में होड़ लगी थी और इसलिए सभी नेता व पदाधिकारी वरिष्ठों की चाटुकारिता में व्यस्त थे। मैं अब उस तस्वीर को नहीं देखता। इसके विपरीत सभी नेताओं-विधायकों के साथ-साथ सांसदों ने मुख्यमंत्री फडणवीस की तारीफ की है क्योंकि उन्हीं की वजह से भाजपा को यह सफलता मिली है। स्थानीय निकाय चुनाव महत्वपूर्ण हैं, विशेष रूप से मुंबई, ठाणे, संभाजीनगर आदि जैसे नगरपालिका चुनाव, और अब भाजपा पूरी ताकत से सामने आएगी। इसलिए अब भाजपा का संघर्ष स्थानीय स्तर पर खेला जाएगा। शाह ने विपक्ष, शरद पवार की एनसीपी और शिवसेना उबाथा को भी संदेश दिया है। चुनाव के बाद से ही भाजपा के लिए माहौल अनुकूल रहा है। भाजपा के पास देवेंद्र फडणवीस , चंद्रशेखर बावनकुले, आशीष शेलार, नारायण राणे, नितेश राणे की एक मजबूत टीम है। बालासाहेब के समय की शिवसेना और उद्धव के नेतृत्व वाले संगठन के बीच जमीन और सम्मान का अंतर है। उद्धव ने मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के हाथ मिलाने वाले रस्सी काट दी। उद्धव ने खुद मुख्यमंत्री पद की खातिर भाजपा में जाने के लिए रस्सी काट दी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमित शाह को पार्टी प्रमुख के रूप में कार्य करना पड़ रहा है। अमित शाह का यह बयान कि दोनों दल आज नेताओं के विश्वासघात के कारण रसातल में पहुंच गए हैं, जो उनकी पार्टी शुरू हुआ और ठाकरे ने बालासाहेब के विचारों के साथ विश्वासघात किया और बाद में उन्होंने भाजपा की पीठ में छुरा घोंपा।

भाजपा को अब मुंबई और ठाणे नगर निगम और छत्रपति संभाजीनगर को जीतने की चुनौती से पार पाना होगा। यह कहना सुरक्षित है कि शाह के भाषण ने कार्यकर्ताओं को एक नया जोश और एक नया उत्साह दिया है। शाह के भाषण ने कार्यकर्ताओं को एक नया जोश और एक नया उत्साह दिया है। इसलिए भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। बहन योजना मदद करने के लिए है। इससे कल शाह की रैली के बाद एक तस्वीर बनी कि भाजपा स्थानीय निकाय चुनाव भी जीतेगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम तीनों के महागठबंधन में चौथे सहयोगी की जरूरत नहीं है, लेकिन हमारा महागठबंधन अंत तक महाराष्ट्र में रहेगा। दरअसल पिछले कुछ दिनों में उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने सीएम फडणवीस के काम की तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने कुछ ही शब्दों में स्पष्ट जवाब दिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उत्तराधिकारी हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या उद्धव गुट मुख्यमंत्री के काम की प्रशंसा कर रहा है, उन्होंने कहा, कुछ प्रशंसाओं को नजरअंदाज किया जाना चाहिए। आपको तारीफों के बारे में सावधान रहना होगा। अक्सर राजनीति को विभाजित करने के लिए इस तरह से प्रशंसा की जाती है। राजनीति में, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कोई कितनी भी प्रशंसा करता है, आपके पैर जमीन पर होने चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा ।क्या उद्धव ठाकरे गुट को भविष्य में महागठबंधन में शामिल करने पर विचार किया जा सकता है? इस सवाल के जवाब में कहा गया, 'हमारी तीन कुर्सियां मजबूत हैं, इसलिए हमें चौथे सहयोगी की जरूरत नहीं है। हमारा महागठबंधन मजबूत है और महाराष्ट्र में अंत तक महायुति ही रहेगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा ।उन्होंने कहा, 'हमें जो पद मिला है वह पद नहीं है, यह एक जिम्मेदारी है। मैं उत्तराधिकारियों की सूची में नहीं हूं, लेकिन मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उत्तराधिकारी हूं। फडणवीस ने कहा कि देश और समाज की सेवा करने की संस्कृति तब शुरू हुई जब मैं कम उम्र में आरएसएस की शाखाओं में जाता था। उधर अमित शाह द्वारा शरद पवार पर किये गए आरोपों पर शरद पवार ने गृह मंत्री अमित शाह को अपने पद की मयार्दा बनाए रखने की नसीहत दी है। दरअसल अमित शाह ने शिरडी में भाजपा के सम्मेलन में कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा की जीत ने 1978 में पवार के द्वारा शुरू की गई विश्वासघात की राजनीति को 20 फीट जमीन में दफना दिया है। पवार ने मंगलवार को मुंबई में कहा- इस देश ने कई बेहतरीन गृह मंत्री देखे हैं, लेकिन उनमें से किसी को भी अपने राज्य से बाहर नहीं निकाला गया। उनका इशारा सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले में 2010 में शाह को 2 साल के लिए गुजरात से बाहर निकाले जाने की ओर था। 2014 में शाह को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था। शरद पवार ने कहा कि 1978 में मैं उट था। तब राजनीति में पक्ष-विपक्ष के बीच इतनी कटुता नहीं थी। उस समय जन संघ के उत्तम राव पाटिल जैसे लोग भी मेरी मिनिस्ट्री में थे। इसके बाद जब वाजपेयी ढट बने थे, तो उन्होंने मुझे आपदा मैनेजमेंट अथॉरिटी का अध्यक्ष बनाया था। मेरे विपक्ष में होने के बावजूद उन्होंने मुझे जिम्मेदारी दी थी।

इंडिया गठबंधन में फूट की चर्चा पर पवार ने कहा- इंडिया गठबंधन में कभी भी स्टेट और लोकल चुनावों को लेकर कोई बात नहीं हुई थी। यह गठबंधन केवल नेशनल लेवल यानी लोकसभा चुनाव के लिए है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के उट उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन का कोई महत्व नहीं है। इसे खत्म कर देना चाहिए। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने अब्दुल्ला के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव हम अकेले लड़ेंगे।

पवार ने पिछले दिनों फ्फ्र की तारीफ पर सफाई दी। उन्होंने कहा- वह संघ की आइडियोलॉजी का समर्थन नहीं करते हैं, बल्कि जिस तरह से उनके लोग मेहनत करते हैं, वह उनका समर्थन करते हैं। दरअसल, पवार ने 9 जनवरी को NCP(SP) कार्यकर्ताओं से कहा था कि संघ की कड़ी मेहनत की वजह से महाराष्ट्र में भाजपा और महायुति को शानदार जीत मिली थी। संघ के लोगों ने कड़ी मेहनत की और उनसे हमें सीखना चाहिए।निकाय चुनाव में गठबंधन जल्द तय करेंगे शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में उनकी पार्टी किसी के साथ लड़ेगी या अलग, इस बारे में 8-10 दिनों में फैसला कर लिया जाएगा। इसको लेकर पार्टी के भीतर मीटिंग होगी।

आखिर प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा का कारण क्या है?

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत के असंगठित कार्यबल का एक महत्त्वपूर्ण लेकिन कमजोर वर्ग, प्रवासी श्रमिक, अक्सर सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से बाहर रह जाते हैं। दशकों से कानूनी ढाँचे और सिफारिशों के बावजूद, सामाजिक सुरक्षा तक उनकी पहुँच अपर्याप्त रही है। अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 में प्रावधान और असंगठित क्षेत्र में राष्ट्रीय उद्यम आयोग (2007) और असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम (2008) द्वारा श्रमिक पंजीकरण के लिए सिफारिशों के बावजूद, ई-श्रम पोर्टल तक प्रवासी श्रमिक आधिकारिक डेटाबेस में काफी हद तक अदृश्य रहे। जबकि ई-श्रम पोर्टल पर 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, उनमें से अधिकांश को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में एकीकृत नहीं किया गया है। मौसमी और परिपत्र प्रवासियों को वंचितता, कलंक, तस्करी और सार्वजनिक सेवाओं तक खराब पहुँच सहित अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी उच्च गतिशीलता सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने को जटिल बनाती है। कई श्रमिकों में डिजिटल साक्षरता या ई-श्रम पंजीकरण और लाभ ट्रैकिंग के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुँच की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। राज्यों में अक्सर कल्याणकारी योजनाओं का असंगत कार्यान्वयन होता है, जिससे समन्वय सम्बंधी समस्याएँ पैदा होती हैं जो लाभों की पोर्टेबिलिटी को कमजोर करती हैं।

मौजूदा कल्याणकारी योजनाएँ जैसे कि मनरेगा, पीएम श्रम योगी मानधन और वन नेशन वन राशन कार्ड अक्सर अलग-अलग तरीके से काम करती हैं, जिससे प्रवासी श्रमिकों के लिए निर्बाध पहुँच में बाधाएँ पैदा होती हैं। 2021 में लॉन्च किए गए ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों का दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है। इसमें 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, जिनमें प्रवासियों का एक महत्त्वपूर्ण अनुपात शामिल है। यह कल्याणकारी योजनाओं के लिए श्रमिकों की बेहतर पहचान और लक्ष्यीकरण की सुविधा प्रदान करता है। हालाँकि, यह मुख्य रूप से एक ?पंजीकरण अभियान? है जिसका सामाजिक सुरक्षा में समावेश पर सीमित ध्यान है। 2024 में लॉन्च किया गया विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को ई-श्रम पोर्टल के साथ एकीकृत करके पंजीकरण और सामाजिक सुरक्षा तक पहुँच के बीच की खाई को पाटने का प्रयास करता है। इसके लाभों में एकीकृत दृष्टिकोण, लाभों की पोर्टेबिलिटी और पारदर्शी तथा श्रमिक-अनुकूल प्रक्रिया शामिल है। हालाँकि, चिंताओं में मौजूदा योजनाओं का सीमित कवरेज, श्रमिकों में जागरूकता की कमी और अंतर-राज्य समन्वय का कमजोर होना शामिल है। ई-श्रम पोर्टल और ओएसएस प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली सामाजिक सुरक्षा चुनौतियों को सम्बोधित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। हालाँकि, उनकी सफलता कार्यान्वयन बाधाओं पर काबू पाने, निर्बाध अंतर-राज्य समन्वय सुनिश्चित करने और श्रमिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने पर निर्भर करती है।

आंकड़ों के अनुसार, जो लोग आजीविका की तलाश में स्थानीय और क्षेत्रीय सीमाओं के पार जाते हैं, उन्हें अपने मेजबान समाज में स्थायी रूप से बाहरी समझे जाने का अपमान सहना पड़ता है। श्रमिकों को अक्सर टेलीविजन स्क्रीन पर दुखद घटनाओं के पात्र के रूप में दिखाया जाता है, जिससे उनके योगदान और उन्हें प्राप्त मान्यता के बीच का अंतर उजागर होता है। राष्ट्र के बुनियादी ढांचे के पीछे की ताकत होने के बावजूद, राष्ट्रीय महानता के विमर्श में उनकी भूमिका को शायद ही कभी स्वीकार किया जाता है। पॉलिसी शून्य होने के कारण अक्सर असुरक्षित छोड़ दिया जाता है यद्यपि प्रवासी कार्यबल राष्ट्रीय गौरव के प्रत्यक्ष चिह्नों में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी उनके अधिकारों को नियंत्रित करने वाली नीतियों का घोर अभाव है।

आंकड़ों के अनुसार, जो लोग आजीविका की तलाश में स्थानीय और क्षेत्रीय सीमाओं के पार जाते हैं, उन्हें अपने मेजबान समाज में स्थायी रूप से बाहरी समझे जाने का अपमान सहना पड़ता है। श्रमिकों को अक्सर टेलीविजन स्क्रीन पर दुखद घटनाओं के पात्र के रूप में दिखाया जाता है, जिससे उनके योगदान और उन्हें प्राप्त मान्यता के बीच का अंतर उजागर होता है। राष्ट्र के बुनियादी ढांचे के पीछे की ताकत होने के बावजूद, राष्ट्रीय महानता के विमर्श में उनकी भूमिका को शायद ही कभी स्वीकार किया जाता है। पॉलिसी शून्य होने के कारण अक्सर असुरक्षित छोड़ दिया जाता है यद्यपि प्रवासी कार्यबल राष्ट्रीय गौरव के प्रत्यक्ष चिह्नों में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी उनके अधिकारों को नियंत्रित करने वाली नीतियों का घोर अभाव है।

अंतरराज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम, 1979, इस विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करने वाला एकमात्र कानून है। हालाँकि, आवास, स्वास्थ्य देखभाल, न्यूनतम मजदूरी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं की रोकथाम के लिए इसके प्रावधान अक्सर अधूरे रह जाते हैं। प्रवासी श्रमिकों के साथ उनकी मानवता पर विचार किए बिना एक नौकरी मशीन की तरह व्यवहार किया जाता है। सरकारी प्रणालियाँ अक्सर प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों और परिवर्तनों की परवाह नहीं करतीं।

प्रवासी श्रमिकों को न केवल कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती बल्कि उन्हें शहर के प्रतिकूल वातावरण में भी संघर्ष करना पड़ता है। शहर सड़कों और इमारतों जैसे निर्माण के लिए प्रवासी श्रमिकों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन इन शहरों में इन प्रवासी श्रमिकों की बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त सहायता नहीं होती है। यहां स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सहायता, रहने के लिए अच्छे स्थान, सुरक्षा उपाय या बच्चों की देखभाल की सुविधाएं नहीं हैं। इससे प्रवासी श्रमिकों को सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है। शहरी क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की दुर्दशा विशेष रूप से चिंताजनक है। शिशुओं को बड़े बच्चों की देखभाल में छोड़ दिया जाता है, जिनके पास स्वयं सार्थक शैक्षिक गतिविधियों तक पहुंच नहीं होती। इससे असुविधा का एक चक्र निर्मित होता है, जहां शिक्षा के अवसरों की कमी उनके माता-पिता द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों से मुक्त होने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है।

प्रवासी श्रमिकों के लिए, एक टूटा हुआ अंग अक्सर कामकाजी जीवन के अंत का संकेत देता है। कार्यस्थल पर लगी चोटों के लिए शायद ही कभी पर्याप्त सहायता या चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो पाती हैं। घायल श्रमिक अपने घर लौटने के लिए बाध्य होते हैं, तथा उपलब्ध स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा प्राप्त करने के लिए प्रयास करते हैं, क्योंकि शहरी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं तक त्वरित और आवश्यक पहुंच बहुत कम उपलब्ध होती है। गांवों से शहरी क्षेत्रों की ओर मौसमी प्रवास की आवश्यकता, प्रवासी श्रमिकों के समक्ष चुनौतियों को और बढ़ा देती है। शहरी आवास की स्थिति अक्सर बहुत खराब होती है, जिससे शहर का मौसम दुख का एक अतिरिक्त स्रोत बन जाता है।

प्रवासी श्रमिकों के लिए काम से परे जीवन की गंभीर वास्तविकताएं तत्काल ध्यान देने और व्यापक समाधान की मांग करती हैं। विचारशील शहरी नियोजन को कार्यस्थलों से आगे बढ़कर प्रवासी श्रमिकों के जीवन के संपूर्ण आयाम को शामिल करना चाहिए, जिससे न केवल रोजगार बल्कि सम्मान, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा भी उपलब्ध हो सके। बच्चों के लिए शिक्षा के अवसरों की उपेक्षा, घायल श्रमिकों के लिए सहायता की कमी, तथा शहरी आवास की प्रतिकूल परिस्थितियों के लिए लक्षित नीतियों की आवश्यकता है। प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों से निपटने के लिए नीतियों की आवश्यकता को रेखांकित करती है। उनकी विविधता का केवल जश्न मनाने के बजाय, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को समझने और उन्हें पूरा करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए एक ही नीति के दृष्टिकोण से हटकर सूक्ष्म नीतियों की ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है, जो प्रवासी श्रम शक्ति की जटिलताओं पर विचार करें।

वेदों की रचना किसने की ?

भारत की सांस्कृतिक धरोहर के रूपमें हमारी अमूल्य निधि हैं, तो वह हमारे वेद है जो मानव जीवन को ऊँचा उठाने वाली अनेक सारगर्भित सरल तथा विचित्र प्रसंगों से परिपूर्ण है। वैदिक मन्त्रों, ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों में हमारे ऋषियों ने ऋचाओं, सूत्रों, सूक्तियों तथा कथाओं के माध्यमसे ऐसे मानदण्ड निर्धारित किये, जिनका आधार प्राप्त कर भारतीय संस्कृति विकसित हुई ओर वेदो सहित उपनिषदों का जीवन दर्शन का लाभ मिला ओर भले-बुरे का विवेक मिला । जीवन की अनेक ऊहापोहकी विकट परिस्थितियोंमें जब हम किंकर्तव्यविमूढ हो जाते हैं, हमारी विवेकशक्ति अमित हो जाती है, तब ये वेदों के प्रसंग हमारा मार्गदर्शन करते हैं, सही निर्णय लेने की शक्ति देने के साथ ही सत्कार्य करने तथा सन्मार्ग पर चलनेकी प्रेरणा देते हैं। सभी के मन में यह जिज्ञासा होती है की आखिर हमारे वेदोंका आविर्भाव कब हुआ ?' 'वेदोंकी रचना किसने की?' यह जिज्ञासा भी पाश्चात्य एवं सनातनी परंपरा के अनुगामी सभी वेदानुसंधाताओं को अनादि-कालसे आकुल किये हुए है। भारतीय दार्शनिक भी वेदों के अनिर्वचनीय माहात्म्य के सम्मुख जहाँ एकमत से नतमस्तक हैं, वहीं उनके कर्तृत्वके विषयमें पर्याप्त विवादग्रस्त दिखायी पड़ते हैं। पाश्चात्त्य वेदज्ञों ने तो ईसा से 5 से 6 हजार वर्ष पूर्व ओर कुछ इन्हे नारायण के मुख से प्रगट हों मानकर उनकी रचना मानकर उनकी पौरुषेयता का स्पष्ट प्रतिपादन करते है।

वेदों में विविन्न देवताओं का गानम स्तुति ओर महात्म्य बतलाया गया है देखे - इन्द्रं मित्रं वरुणमग्निमाहुरथो दिव्यः स सुपर्णो गरुत्मान् । एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्त्यग्निं यमं मातरिश्वानमाहुः ॥ (अथर्ववेद 9।10।28, ऋग्वेद 1।164।46)इन श्लोकों में वे सभी एकदेवतावाद में अन्तर्भुक्त हैं। वेदोंके इस एकदेवतावाद या एकेश्वरवाद में अद्वैतवादी, सर्वदेवतावादी तथा बहुदेवतावादी दृष्टियाँ भी समाहित हैं; किंतु वेदों का यह एकदेवतावाद आधुनिक ईश्वरवादके स्वरूपसे यत्किंचित भिन्न है। कहा जा सकता है कि वेदों में अभिव्यक्त विभिन्न देवताओं का जो स्वरूप है, वह आदिशक्ति और सत्ता के केवल भिन्न-भिन्न नाम हैं, रूप हैं, शक्तियाँ हैं। जो लोगोंको प्रभावित कर उनके हृदयमें आराध्यरूपमें अवस्थित हैं। कुछ विद्वान् वेदोंका पौरुषेय होना दूसरे प्रकार से सिद्ध करते हैं। उनका कहना है कि वेदोंमें यत्र-तत्र विशेषकर नाराशंसी गाथाओंके अन्तर्गत ऐतिहासिक सम्राटों एवं व्यक्तियोंके नाम आते हैं। जैसे- बबरः प्रावाहणिरकामयत (तै०सं० 711।10।2) कुसुरुबिन्द औद्दालकिरकामयत (तै०सं०712।2।2) इत्यादि प्रमाणों से स्पष्ट है कि बबर, कुसुरुबिन्द 'आदि ऐतिहासिक व्यक्तियों के बाद ही वेदों का निर्माण हुआ होगा। उससे पूर्व वेदों की सत्ताका प्रश्न ही नहीं होता। इस प्रकार वेदों में इतिहास स्वीकार करनेवालों की दृष्टि में भी वेद पौरुषेय हैं। वेदोंमें इतिहास माननेवालों के सम्बन्धमें ऋषि जैमिनि का कहना है कि तैत्तिरीय संहितायें में जो बबर, कुसुरुविन्द आदि नाम उपलब्ध होते हैं, वे सब ऐतिहासिक व्यक्तियों ही हों; यह आवश्यक नहीं है। वहाँ बबर नामक किसी पुरुषविशेष का वर्णन नहीं है, अपितु ब-ब-र ध्वनि करनेवाले प्रवहणशील वायु का यहाँ निर्देश है। इसी प्रकार अन्य भी जो शब्द हैं, वे सब शब्द सामान्य मात्र ही समझने चाहिये- 'परंतु श्रुतिसामान्यम्' (जैमिनिसूत्र 1।1।31)। वेदोंमें' इतिहासका सर्वथा अभाव है'। व्यास सूत्रोंमें वेदव्यासजीने भी यही पक्ष स्थापित किया है कि वेदों में आये ऐतिहासिक पुरावृत्त-सम्बन्धी पदों को भावी अर्थ का ज्ञापक समझना चाहिये। 'भूतं भव्यं भविष्यं च सर्वं वेदात् प्रसिध्यति।' 'वनस्पतयः सत्रमासत' इत्यादि वाक्योंको उन्मत्त-वाक्योंकी भाँति अनर्थक और मनुष्यकर्तृक बतलाने वालों के लिये मीमांसा का उत्तर है कि उक्त वाक्य उन्मत्त-प्रलाप की तरह अर्थहीन नहीं हैं, अपितु उनमें अर्थवाद होने के कारण यज्ञ की प्रशंसा में तात्पर्य है। वहाँ केवल इतना ही अभीप्सित अर्थ है कि जब जड वनस्पति और अज्ञानी सर्प भी यश करते हैं, तब चेतन, ज्ञानवान् ब्राह्मणों को तो यज्ञ करना ही चाहिये।

वेदों की शाश्वतवाणी नित्य एवं अपौरुषेय है उसके प्रणयनमें साक्षात परमेश्वर भी कारण नहीं हैं- जहाँ श्रुति 'वाचा विरूप नित्यया' (ऋ?० 8।75।6) कहकर अपनी नित्यताका स्वयं उद्घोष करती है, वहीं स्मृतियाँ भी 'अनादि निधना नित्या वागुत्सृष्टा स्वयम्भुवा' कहकर वेदों के नित्यत्वका प्रतिपादन करती हैं। जिस प्रकार साधारण प्राणों को भी श्वास-प्रश्वास-क्रियामें किसी विशेष प्रयत्न का आश्रय नहीं लेना पड़ता, जैसे निद्राके समय भी श्वास-क्रिया स्वाभाविक रूपसे स्वतः सम्पन्न होती रहती है; उसी प्रकार वेद भी उस महान् भूतके निःश्वासाभूत हैं- अस्य महतो भूतस्य निश्वसितमेतद्यदृग्वेदो यजुर्वेदः सामवेदोऽथर्वाङ्गिरसः। (बृहदारण्यक० 4।5।11) महाप्रलय के बाद तिरोभूत हुए वेदों को क्रान्तदर्शी ऋषि अपने उदात्त तपोबलसे पुनः साक्षात्कार करके प्रकट कर देते हैं- युगान्तेऽन्तर्हितान् वेदान् सेतिहासान् महर्षयः । लेभिरे तपसा पूर्वमनुज्ञाताः स्वयम्भुवा ।। पूर्व-पुण्यके द्वारा जब मनुष्य वेद-ग्रहणकी योग्यता प्राप्त करते हैं, तब ऋषियोंमें प्रविष्ट उस दिव्य वेद- - वाणीको वे खोज पाते- पजेन वाचः पदवीयमायन्तामन्यविन्दन् ऋषिषु प्रपिष्टाम्।(ऋ० 10।71।3)। इस मन्त्र में पहले से ही विद्यमान वेदवाणीका - ऋषियोंमें प्रविष्ट होना तथा उसका मनुष्यों द्वारा पुनः ढूँढ़ पाना वर्णित है। अतः वेदनित्य हैं। प्रलय के समया भी उनका विनाश नहीं होता, प्रत्युत तिरोधानमात्र होता है। वेद अपौरुषेय हैं। दृष्ट के समान अदृष्ट वस्तु में भी बुद्धिपूर्वक निर्माण होनेपर ही पौरुषेयता होती है- 'यस्मिन्त्रदृष्टेऽपि कृतबुद्धिरुपजायते तत्पौरुषेयम् (सा० सूत्र 5।50), परंतु महाभूतके निःश्वास-रूप वेद तो अदृष्टवश स्वतः आविर्भूत होते हैं, उनमें बुद्धिपूर्वकता नहीं होती। अतः वेद किसी पुरुषद्वारा रचित कदापि नहीं हो सकते। मीमांसकों ने शब्द को नित्यता बताते हुए नित्य एवं स्वतःप्रमाण कहकर उनकी अपौरुषेयता सिद्ध की थी, परंतु उनके शब्द-नित्यत्व को नैयायिकों ने प्रबल तर्कों से खण्डित कर दिया है। नैयायिक शब्द को नित्य नहीं अनित्य मानते हैं। तब क्या वेद भी अनित्य है, नहीं वेद अपितु नित्य, सर्वज्ञ परमेश्वरद्वारा प्रणीत होने के कारण नित्य हैं। आज वेदवाणी के शब्दों को अनित्यता- सम्बन्धी तर्को के द्वारा निराधार सिद्ध किया जा रहा है ओर कई कुतुर्की तार्किक अपने मत को सिध्द कर यह प्रमाणित भी कर रहे है। आज का भौतिक विज्ञान भी कहता है कि हमारे आपके सभी के उच्चारित होने के बाद शब्द नष्ट नहीं होते, अपितु वायुमण्डल में बिखर जाते है। वैज्ञानिक यन्त्रों के सहारे उसे पुनः प्रकट किया जा सकता है। रेडियो, टेलीफोन टीवी आदि इलेक्ट्रानिक आधुनिक यन्त्रों ने उनके इस कथन को प्रत्यक्ष भी कर दिखाया है। आजका विज्ञान तो यहाँ तक दावा करता है कि भविष्य में इस प्रकार के यन्त्रों का आविष्कार हो जानेपर वायुमण्डलमें तैरते उन शब्दों को भी पकड़ना सम्भव हो सकेगा, जिन शब्दों में भगवान् श्रीकृष्ण ने आज से पाँच हजार वर्ष पूर्व अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि वे शब्द विनष्ट कदापि नहीं हुए हैं, अपितु वायुमण्डल में कहीं दूर निकल गये हैं। शान्त जल में कंकड़ फेंकने पर जैसे लहरों का क्रम परिधियाँ बनाता चलता है, उसी प्रकार वायुमण्डल में भी शब्द-लहरियाँ बनती हैं। अभिप्राय यह है कि आज के विज्ञान के अनुसार भी शब्द नित्य होता है। ऐसी स्थितिमें मीमांसकों का जो अभिमत है कि नित्य- शब्दों का समुदाय होनेके कारण वेद भी नित्य हैं और नित्य होनेके कारण अपौरुषेय भी हैं। वे विज्ञानमूलक होनेके कारण सुतरां प्रमाण-संगत ही हैं।

मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर को पूर्ण रूप से रोकने हेतु ठोस कार्यक्रम तैयार किया जायेगा : मेघनाताई सकोरे

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में पिछले महीनों में लगातार हो रही शिशु मृत्यु व माता मृत्यु की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इसलिए आगे एक भी शिशु एवं माता की मृत्यु न हो इसके लिए, एक ठोस कार्यक्रम की योजना बनाई जायेगी। उक्त बातें राज्य मंत्री सार्वजनिक स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, जल आपूर्ति और स्वच्छता ऊर्जा, महिला व बाल विकास, लोक निर्माण मेघनाताई साकोरे-बोर्डिकर ने जव्हार में कहीं। वह तब बोल रही थीं जब मंगलवार 14 जनवरी 2025 को जिला परिषद स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जव्हार तहसील के जामसर में मकर संक्रांति के अवसर पर एक भव्य महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य की सभी बहनों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे इसी मंशा से यह अभियान शुरू किया गया है और मुझे खुशी है कि आज राज्य स्तर पर इसकी शुरूआत जामसर में शिविर के माध्यम से हो रही है। साथ ही राज्य मंत्री मेघना साकोरे ने आश्वासन दिया कि वे सांसद द्वारा की गई ब्लड बैंक और महिला अस्पताल की मांग को मान्य कराने का प्रयास करेंगी। यह कार्यक्रम जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, सांसद डॉ. हेमंत सावरा, विधायक हरिश्चंद्र भोये, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे, उपाध्यक्ष पंकज कोरे, निर्माण एवं स्वास्थ्य सभापति संदेश ढोणे, कृषि एवं पशुसंवर्धन सभापति संदीप पावड़े, जिला परिषद सदस्या सुरेखा थेतले, सभापति विजया लहारे, उपसभापति पाडवी, भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपूत की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। महिलाओं ने तारपा नृत्य कर राज्य मंत्री मेघना सकोरे का स्वागत किया। साथ ही मकर संक्रांति के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की महिलाओं ने मेघना सकोरे को हल्दी कुंकु देकर सम्मानित किया। इसी तरह मंत्री सकोरे ने गर्भवती महिलाओं को हल्दी कुंकु दिया। उक्त स्वास्थ्य शिविर में जव्हार तहसील की बड़ी संख्या में स्तनपान कराने वाली माताएं, गर्भवती माताएं और अन्य महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं की सभी प्रकार की बीमारियों की जांच की गई। इस शिविर में दंत, नेत्र परीक्षण, रक्तचाप एवं अन्य सभी जांचें की गयीं। जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने उपस्थित सभी लोगों की ओर से न केवल अस्पतालों बल्कि डॉक्टरों की भी मांग की।

सांसद डॉ. हेमन्त सावरा ने कहा कि जिले में महिला अस्पताल और एक सुसज्जित सिविल अस्पताल व ब्लड बैंक की आवश्यकता है। साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त भत्ता दिया जाय और रिक्तियों और अन्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सांसद डॉ.हेमंत सावरा ने प्रकाश डाला। विधायक हरिश्चंद्र भोये ने राज्य में पहला शिविर जव्हार में आयोजित करने के लिए मेघना सकोरे को धन्यवाद दिया और मेघना सकोरे से साखर शेत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया।

शिविर का उद्घाटन करने के बाद मंत्री मेघना सकोरे ने जामसर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और वहां गर्भवती माताओं और प्रसवोत्तर माताओं से बातचीत की। इसके बाद जव्हार में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जल आपूर्ति विभाग की विस्तृत समीक्षा करते हुए इस विभाग की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर जिलाधिकारी गोविंद बोडके, परियोजना अधिकारी जव्हार व अन्य मान्यवर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण डॉ.किरण पाटिल ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बाबा साहब के परपोते संदेश आंबेडकर राजनीति में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा दिया गया भारतीय संविधान खतरे में है और संविधान विरोधी गतिविधियाँ बढ़ गई हैं। इस कारण बाबासाहेब आंबेडकर के परपोते संदेश आंबेडकर ने संविधान की रक्षा के लिए राजनीति में पदार्पण किया है। राजमाता जिजाऊ की जयंती पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया संविधान पार्टी की घोषणा संदेश आंबेडकर ने मुंबई मराठी पत्रकार संघ में की है।

डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के नाम पर राजनीति करने वाले संविधान के पक्ष में ठोस निर्णय नहीं ले रहे हैं। ऐसे में नई पीढ़ी में राजनीति के प्रति नजरिया बदल रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए संदेश आंबेडकर ने नई पीढ़ी को राजनीति में लाने के लिए अपने राजनीतिक सफर की जानकारी दी। सच्चा आंबेडकरवादऔर लोकतंत्र को बचाने के लिए संदेश आंबेडकर द्वारा राजनीति के मैदान में उतरने का सही निर्णय लिया गया है। ऐसी जानकारी राजन माकणिकर ने दी।इस मौके पर मुंबई प्रदेश के कार्यवाहक योगेश गायकवाड ने भी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया संविधान पार्टी का स्वागत किया है। इस अवसर पर एम राणि ताई वाघमारे, ज्योतिताई गायकवाड़, सचिन भुटकर ने इस पार्टी की जिम्मेदारी संभाली है। इस अवसर पर अमीन शेख, सलमान शेख, गणेश पिल्लई, रिजवान शेख, जनार्दन कदम, गौतम कांबले आदि उपस्थित थे।

नैसर्गिक विकलांग सेवा संघ द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मनायी गयी जयंती

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अँधेरी स्थित कार्यालय पर नैसर्गिक विकलांग सेवा संघ के अध्यक्ष टी. एन. दुबे द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मनायी गई. संस्था द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने, उनके विकास को बढ़ावा देने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को बढ़ने के लिए संस्था द्वारा जयंती मनायी गयी. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर स्थानीय विधायक मुरजी पटेल (काका) मौजूद थे। इस कार्यक्रम दिव्यांग भाई बहनों को बड़े पैमाने पर कम्बल वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से समाजसेवी गणेश अग्रवाल, पूर्व नगरसेवक सुरेन्द्र दुबे, रामाश्रय उपाध्याय, सय्यद सलमान, प्रमोद श्यामाचरण पाण्डेय, कामगार नेता विकास तिवारी, एडवोकेट सतीश मिश्रा, समाजसेवी संतोष रहाटे, प्रभाकर शुक्ल, भरत लोवारिया, अविनाश भागवत, शेखर तावड़े, अमित खारवारे, विनय दुबे, संतोष दुबे, प्रशांत चारी, मदन सितप, पंकज मिश्रा, पिन्टू उपाध्याय, मनोज सिंह,गुरुजस यादव, पवन कुमार दुबे व रजाक बिलखिया आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पीएनबी मेटलाइफ ने सारस्वत को-ऑपरेटिव बैंक से हाथ मिलाया

मुंबई। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पीएनबी मेटलाइफ) ने भारत के सबसे बड़े अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों में से एक सारस्वत को-ऑपरेटिव बैंक लि. के साथ एक योजनाबद्ध बैंकएश्योरेंस भागीदारी की है। इस भागीदारी का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए सारस्वत बैंक के ग्राहकों को बचत, सुरक्षा, रिटायरमेंट एवं ग्रुप प्लान सहित लाइफ इंश्योरेंस समाधानों की व्यापक श्रेणी उपलब्ध कराना है। देशभर में सारस्वत बैंक की 302 शाखाओं के साथ लगभग 30 लाख ग्राहक जुड़े हैं। समीर बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, पीएनबी मेटलाइफ ने कहा, भारत में लगातार इंश्योरेंस सुरक्षा की कमी बनी हुई है। इस कारण अधिक से अधिक लोगों के लिए इंश्योरेंस उपलब्ध कराने हेतु विस्तृत पहुंच वाले डिस्ट्रीब्यूशन चैनल तैयार करने की सख्त जरूरत है। सारस्वत बैंक के साथ हमारी भागीदारी, लाखों भारतीयों को लाइफ इंश्योरेंस उपलब्ध कराने के मिशन हेतु उठाया गया कदम है। सारस्वत बैंक की विश्वसनीय विरासत एवं इंश्योरेंस में हमारी विशेषज्ञता के साथ, हम ग्राहकों के लिए विभिन्न जीवन चरणों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करना चाहते हैं। इसके साथ ही, उन्हें बेहद आवश्यक आर्थिक सुरक्षा भी उपलब्ध कराएंगे। आरती पाटिल, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, सारस्वत को-ऑपरेटिव बैंक लि. ने कहा, पीएनबी मेटलाइफ के साथ यह भागीदारी हमारे ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम लाइफ इंश्योरेंस समाधान पेश करने के सतत प्रयासों का हिस्सा है।

सभी असली दावे मंजूर किए गए, मीशो ने ज्यादा निष्पक्षता के लिए अपनी सप्लाई चेन प्रक्रियाओं को मजबूत किया

मुंबई/पटना। भारत के एकमात्र ट्रू ई-कॉमर्स बाजार, मीशो ने अपने दावे की प्रक्रियाओं में परिवर्तन किया है, जिससे विक्रेताओं को सशक्त बनाने और पारदर्शिता लाने के की इसकी प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। इन परिवर्तनों द्वारा तेजी से शिकायत निवारण, विकसित जाँच, और सक्रिय उपाय संभव हो सकेंगे, जिससे विक्रेता समुदाय में विश्वास स्थापित होगा। मीशो ने मई, 2024 से अपनी क्लेम अनुमोदन प्रक्रिया में काफी सुधार किया है, जिससे ज्यादातर मामलों में शिकायत निवारण में लगने वाला समय 70 प्रतिशत कम हो गया है। इस सुधार से विक्रेताओं को ज्यादा तेजी से समाधान मिले हैं, और 3.4 मिलियन वास्तविक दावों को मंजूरी मिल गई है। इससे सभी हितधारकों के लिए एक ज्यादा प्रभावशाली एवं सहयोगपूर्ण प्लेटफॉर्म का निर्माण करने की मीशो की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। नकली रिटर्न को कम करने व जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मीशो ने अपनी सप्लाई चेन में वैरिफिकेशन की एक मजबूत प्रक्रिया शुरू की है। मीशो द्वारा सप्लाई चेन ऑपरेशंस में सुधार लाने के लिए जेनरेटिव एआई का उपयोग किया जा रहा है।

पतंग के माध्यम से मराठी स्कूलों को बचाने का संदेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पौष माह शुरू होते ही आसमान में विभिन्न रंगों की पतंगें उड़ती नजर आती हैं। पतंग उड़ाने का आनंद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी उठाते हैं। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की उत्तर दिशा की यात्रा को ज्ञान प्राप्ति का प्रतीक माना जाता है। मकर संक्रांति के दिन पुरानी शिकायतों को अलविदा कहकर सकारात्मकता का स्वागत किया जाता है। मकर संक्रांति के अवसर पर, साकीनाका स्थित समता विद्या मंदिर स्कूल के विद्यार्थियों ने आज ‟मराठी स्कूल बचाओ” संदेश के साथ पतंग उड़ाकर एक अनूठा अभियान शुरू किया। विद्यालय के सचिव राजेश सुभेदार एवं कार्यकारी अध्यक्ष ज्योति सुभेदार के विचार पर आधारित यह अनूठा प्रयोग आज विद्यार्थियों द्वारा किया गया। स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रयोग किये जाते हैं। स्कूल की शिक्षिकाओं स्मिता सुरवसे, वैशाली हांडे और विद्यार्थियों द्वारा बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ व्याहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। स्कूल के सचिव राजेश सुभेदार ने कहा कि आज मकर संस्कृति के अवसर पर राज्य के सभी मराठी स्कूलों का अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए बैनर पर ‟मराठी स्कूल बचाओ” का संदेश दिया गया है।

जि.प. स्कूल कालाधोंड के विद्यार्थियों द्वारा नशा विरोधी शपथ अभियान शुरू

जिले में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशा विरोधी संकल्प

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाओं की भावना में, नशाबंदी मंडल का मानना है कि नशीली दवाओं और लत के संकट से लड़ना हमारे युवाओं के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। नशे की लत न केवल व्यक्तियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को खतरे में डालती है, बल्कि समाज में सार्थक योगदान देने की उनकी क्षमता में भी बाधा डालती है। राष्ट्रीय युवा दिवस पर छात्रों के साथ सक्रिय रूप से भाग लेकर, हम सब स्वामी विवेकानंद की विरासत को संरक्षित कर सकते हैं और अपनी युवा पीढ़ी को सूचित निर्णय लेने, स्वस्थ जीवन जीने और राष्ट्र की प्रगति में सकारात्मक योगदान देने के लिए सशक्त बना सकते हैं। इसके लिए नशा मुक्त और सशक्त युवा बनाने हेतु सभी को मिलकर काम करना जरूरी है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला परिषद पालघर, जिलाधिकारी कार्यालय, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग और महाराष्ट्र राज्य नशा विरोधी विभाग के सहयोग से युवा दिवस के अवसर पर पूरे पालघर जिले में 1,11,111 नशा विरोधी शपथ अभियान का आयोजन किया गया। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद पालघर के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में, पालघर जिलों के सभी जिला परिषद स्कूलों, निजी स्कूलों, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों, आश्रम स्कूलों, छात्रावासों, कॉलेजों से नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। इस मौके पर जिला परिषद स्कूल कालीधोंड, जव्हार जिला पालघर के स्नातक शिक्षक भाऊसाहेब शेटे ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत छात्रों को नशा विरोधी शपथ दिलाई। प्राचार्य श्रीमती प्रज्ञा मुकणे,सुनीता इंगले, संजय कोकतरे, अर्जुन शिंदे, रूपेश घेगड़, किरण कुवरा, संदेश चौधरी, विद्यालय के सभी विद्यार्थी, विद्यालय प्रबंधन समिति, खरपड़े, बोरसे समेत प्रमुख ग्रामस्थ उपस्थित थे।

पालघर जिला मुख्यालय में पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित किया जाना जरूरी : मोईज शेख

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला मुख्यालय अंतर्गत पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने की मांग दहानू शहर के समाजसेवी मोईज शेख ने पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद हेमंत विष्णु सावरा को लिखे पत्र के माध्यम से की है।

पालघर जिले को बने लगभग 10 वर्ष अधिक हो चुके हैं और जिले में विकास भी तेजी हो रहा है। वहीं पालघर जिले में शिक्षित लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ ही साथ विदेशों में व्यापार, काम करने व घूमने जाने वाले लोगों की भी संख्या बढ़ रही है। पालघर जिला बनने के दस वर्ष पूरे होने के बाद भी अब तक जिला मुख्यालय अंतर्गत पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित नहीं हो पाया है। जिसकी वजह से जिले के लोगों को पासपोर्ट बनवाने हेतु मुंबई अथवा सिलवासा, दमन जाना पड़ता है। समाजसेवी मोईज शेख ने उक्त आशय के बारे में हमारे संवाददाता को जानकारी देते बताया है कि पालघर जिले में हज यात्रियों की भी लगातार वृद्धि हो रही है तथा यहां की वारली पेंटिंग भी विश्व प्रसिद्ध है जिसकी विदेशों में भी मांग बढ़ी है। इसके लिए यहां के लोगों को विदेशों में व्यापार हेतु जाना पड़ता है। मोईज शेख ने कहा कि पालघर जिले में विदेश यात्रियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए साथ ही लोगों की सुविधा के मद्देनजर जल्द से जल्द जिला मुख्यालय में पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित किया जाना अतिआवश्यक है। इसके लिए सांसद हेमंत विष्णु सावरा को लिखे पत्र के माध्यम से केंद्रीय मंत्री द्वारा जल्द से जल्द पासपोर्ट सेवा केंद्र पालघर जिला मुख्यालय में स्थापित करने पर विचार करने की अपील की है, जिससे कि यहां के लोगों को पासपोर्ट बनवाने में आसानी हो सके।

हम नशी संस्था द्वारा दो पुस्तकों का विमोचन एवं परिचर्चा कार्यक्रम का भव्य आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। रईस हाई स्कूल परिसर के उर्दू बसेरा हॉल में मशहूर साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था ‟हम नशीं” के तत्वावधान में प्रख्यात उर्दू हास्य व्यंग लेखक फैयाज अहमद फैजी और नासिक के मशहूर वकील नंद किशोर भोतणा के सम्मान में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया । समारोह की अध्यक्षता के एम ई सोसायटी के उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन ने किया । समारोह में अतिथि के रूप में सलीम अब्दुल अजीज धुरु , रईस हाई स्कूल के चेयरमैन यासर ततली और अब्दुल बासित पटेल मौजूद आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे । कार्यक्रम में फैयाजअहमद फैजी की पुस्तक ‟खनदह जेरे लब” और नंद किशोर गंगा बिसन भोतणा की पुस्तक ‟यादश बखैर” का लोकार्पण अतिथियों द्वारा संपन्न हुआ । उद्घाटन भाषण रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल जियाउर रहमान अंसारी ने प्रस्तुत किया ।आप ने उर्दू की लोकप्रियता पर विस्तार से चर्चा की और इसके के उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी सलाह दी । इस अवसर पर निशी गंधा लोहिया ने अपनी मधुर आवाज में खुसरो का कलाम प्रस्तुत किया ।मोहम्मद रफी अंसारी ने अपना निबंध फैयाज अहमद फैजी साहब प्रस्तुत किया जिसकी लोगों ने खूब सराहना की । अहमदाबाद से आए अतिथि हाफिज वली अहमद खान ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए पुस्तक वाचन के महत्व पर प्रकाश डाला । अशफाक उमर ने पुस्तकों से दोस्ती की सलाह दी । इस अवसर पर फैयाज अहमद फैजी ने उर्दू और उर्दू के सामने आने वाली समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त किए. । उर्दू बोलने वालों की उदासीनता पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि किताबें पढ़ने और खरीदने की आदत अब खत्म होती जा रही है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एडवोकेट नंद किशोर भोतणा ने उर्दू के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर करते हुए कहा कि उर्दू सिर्फ एक भाषा नहीं एक तहजीब का नाम है। उन्होंने आगे कहा कि गैर-उर्दू भाषी समुदाय उर्दू से प्यार करता है। यह जरूरी है कि इसकी कद्र की जाए । आप ने छात्रों को सलाह दी कि वकील का पेशा करिअर के तौर पर अपनाना चाहिए ।समारोह के अध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन ने दोनों पुस्तकों के लेखकों को मुबारकबाद पेश की और उर्दू के प्रचार-प्रसार के लिए अपनी और अपनी सोसायटी की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया ।कार्यक्रम का शुभारंभ पवित्र कुरान के पाठ से हुआ । रईस हाई स्कूल के उपमुख्यध्यापक मुखलिस मदू ने अतिथियों का परिचय सहित स्वागत किया । संस्था के सचिव आमिर कुरैशी ने सूत्र संचालन किया और संस्था केअध्यक्ष सरफराज मुरुमकर ने आभार प्रदर्शन किया । इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, शिक्षकगण और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे । समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ ।

श्री शिव हनुमान सेवा संस्था द्वारा आयोजित संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का श्रोताओं ने किया अमृतपान

पालघर(उत्तरशक्ति)। भगवान श्रीराम जी की असीम अनुकम्पा से श्री शिव हनुमान सेवा संस्था के तत्वाधान में पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत गंगोत्री होटल के पास स्थित मैदान में बने भव्य पंडाल में शनिवार 11 जनवरी 2025 से नित्य मानस मर्मज्ञ कथावाचक पूज्य श्री वेद नारायण शास्त्री जी महाराज तीर्थराज प्रयागराज के मुखारविंद से नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का श्रोतागण अमृतपान कर रहे हैं। संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस को मानस मर्मज्ञ कथावाचक पूज्य श्री वेद नारायण शास्त्री जी महाराज तीर्थराज प्रयागराज के मुखारविंद से भगवान भोलेनाथ द्वारा देवी पार्वती जी को श्रीराम कथा का अमृतपान कराने के प्रसंग का श्रोताओं ने रसपान किया। इस संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन सूर्यनाथ मिश्रा, मनीष उपाध्याय, ललित माली, मुकेश पिंपले, प्रमोद कंकरे, सोनू यादव, प्रकाश शुक्ला, राहुल सिंह, दीपक यादव, सुरेश मौर्या, दीपक मिश्रा, सचिन जायसवाल, नीरज यादव, रोहित यादव, नीरज शाहू, कैलाश वर्मा, रोहित सिंह, निमोर्ही यादव समेत अन्य सहयोगियों द्वारा किया जा रहा है। इस संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ में बोईसर पालघर पत्रकार संघ अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, उपाध्यक्ष प्रमोद गजभिए व प्रवीण पाटील, महासचिव मोहन म्हात्रे, सह सचिव अजीत सिंह, धमार्नुयायियो में सुशील तिवारी, मनदेव दुबे, भावेश मोरे व गणमान्य लोगों समेत बड़ी संख्या में श्रोतागण कथा पंडाल में पहुंचकर श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का अमृतपान किया।

ग्राम जल जीवन मिशन की जल आपूर्ति योजना के नियमित रख-रखाव हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण

पालघर(उत्तरशक्ति)। जल जीवन मिशन पूर्ण जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन, देखभाल व मरम्मत विषय पर ग्राम पंचायत के पांच चयनित प्रतिनिधियों का दूसरे चरण (स्तर-3) का दो दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण मंगलवार 14 जनवरी 2025 को बायफ कार्यालय जव्हार में आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी भानुदास पालवे की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।इस प्रशिक्षण का जल सुरक्षक, ग्राम पंचायत अधिकारी, स्वयं सहायता समूह सदस्य, आशा कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सदस्य आदि प्रशिक्षणार्थियों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने बोलते हुए कहा कि सरकार की नीति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को शाश्वत स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन योजना के माध्यम से प्रत्येक परिवार को 55 लीटर शाश्वत स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जाना है। गांव के सभी को इस मिशन में हिस्सा लेते हुए अपने गांव को हर घर जल घोषित करना चाहिए।

इस मौके पर महिला बाल विकास अधिकारी प्रवीण भावसार तथा जव्हार पंचायत समिति समूह विकास अधिकारी दत्तात्रेय चित्ते पहुंचकर मार्गदर्शन किया।पालघर जिले की भौगोलिक संरचना समुद्री, शहरी व पहाड़ी है। यहां ग्रामीण इलाकों में गर्मियों में पानी की कमी होती है। सरकार के जल जीवन मिशन के तहत प्राकृतिक स्त्रोतों को संरक्षित करने और नागरिकों को पानी की आपूर्ति करने के लिए नए स्त्रोत बनाने के लिए 588 जल आपूर्ति योजनाएं शुरू की गई हैं और सभी जगहों पर योजनाएं पूरी की जाएंगी। ऐसी जानकारी जल आपूर्ति विभाग द्वारा दी गई है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति फॅब्रीकेशन ॲण्ड ग्रिलवर्क्स
93245 26742
98200 55193
93227 55403
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS,
ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR &
ALLUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD,
ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

खराब नलकूपों की सूची बनाकर सोमवार तक ठीक करायें: डीएम

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस के अवसर पर कृषि विभाग, विद्युत विभाग, उद्यान विभाग सहित विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी किसानों को दी गई।जिलाधिकारी ने जनपद में खाद की उपलब्धता के संबंध जानकारी ली जिस पर जिला कृषि अधिकारी और किसानों ने बताया कि खाद से सम्बन्धित कोई समस्या नहीं है। जिलाधिकारी द्वारा खराब नलकूपों की सूची बनाते हुए उन्हें अगले सोमवार तक ठीक कराने के निर्देश एक्सईएन को दिए गए। उन्होने एलडीएम को निर्देशित किया कि किसानों को अधिक से अधिक लोन दिया जाए जिससे किसानों को कृषि कार्य में सहायता मिलें और साथ ही जनपद का सीडी रेशियो भी बढाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्बन्धित अधिकारी किसानों से संवाद स्थापित करें। उनकी आवश्यकता तथा समस्या को सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। उन्होने कहा कि किसान दिवस आयोजन करने का उददेश्य है कि किसानों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी जाए और उनसे जुडी समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित की जाए। उन्होंने किसानों से कहा कि सम्मान निधि की अगली किस्त के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दिया गया है। 31 जनवरी से पहले सभी किसान अपने नजदीकी सीएससी पर जाकर अपनी आईडी बनवा ले।जिससे उन्हें अगली किस्त का लाभ प्राप्त हो सके।

डिप्टी आरएमओ नृपंजय पाठक ने बताया कि गेहूं क्रय केंद्र 1 मार्च से संचालित हो जाएंगे। इस वर्ष गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में गत वर्ष से 150 रुपए प्रति कुंतल की वृद्धि हुई है। प्रति कुंतल गेहूं की एमएसपी 2425 रुपए है। गेहूं विक्रय के लिए किसान बंधु किसी भी जन सेवा केंद्र पर जाकर रजिस्ट्रेशन कराएं। किसान बंधु अपने मोबाइल में किसान मित्र ऐप डाउनलोड करके भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। इसके अलावा अपने नजदीकी किसी भी धान क्रय केंद्र पर जाकर निःशुल्क अपना पंजीकरण करा सकते हैं।इस दौरान डिप्टी पीडी आत्मा डॉ. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि जनपद में एग्री स्टेक का कार्य तेजी से चल रहा है। जिन किसानों ने अभी तक फॉर्मर रजिस्ट्री नहीं कराया है वे अनिवार्य रूप से करा ले। उन्होंने ई-खसरा पड़ताल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एक्सईएन सिंचाई ने बताया कि सभी नहरों में टेल तक पानी पहुंचाया जा रहा है। जिस पर जिलाधिकारी ने सत्यापन कराते हुए रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने किसान नेता राजनाथ, नीता पाल, सहित कुल 05 किसानों को डायरी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी भू राजस्व अजय अम्बष्ट, उप निदेशक कृषि हिमान्शु पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक डा. आरके सिंह, डा. सुरेंद्र सोनकर सहित अन्य अधिकारीगण और किसान उपस्थित रहे।

'स्वच्छ रहेंगे तो स्वस्थ रहेंगे' जेसीआई संग सभी संस्थाएं चलाएं स्वच्छता अभियान: गिरीश चंद्र यादव

जेसीआई जौनपुर 61वें वर्ष में एक नया इतिहास बनाएगा: संजय कपूर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जेसीआई जौनपुर के नव चयनित अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव और उनकी टीम ने नगर के एक प्रतिष्ठित होटल में एक भव्य समारोह में गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में पद और गोपनीयता की शपथ लिया, 2024 के अध्यक्ष आशुतोष जायसवाल ने चयनित अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव को शपथ दिलाई। तत्पश्चात चेयरपर्सन मीनू श्रीवास्तव सहित पूरी कार्यकारिणी को नीरज श्रीवास्तव ने पद की शपथ दिलाई कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने आराध्य देव को नमन करते हुए दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गणेश वंदना आदिति श्रीवास्तव द्वारा किया गया। आस्था पाठ सचिव सतीश जायसवाल द्वारा पढा. गया कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत नीरज श्रीवास्तव द्वारा अंग वस्त्र एवं मोती माला पहना कर किया गया।

मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार,उत्तर प्रदेश सरकार ने जेसीआई टीम की सराहना एवं सुभाषिश देते हुए संस्था के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना किया। उन्होंने अपने युवा विभाग को जेसीआई के साथ समन्वय करने की बात कही। उन्होंने संस्था के साथ नशा उन्मूलन को जड़ से समाप्त करने की बात रखी और नगर के एक एक वार्ड को जेसीआई के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों को गोद लेने को कहा तथा स्वस्थ स्वच्छ रहेंगे तो स्वस्थ रहेंगे का निवेदन किया और हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। अति विशिष्ट अतिथि मनोरमा रामसूरत मौर्य ने कहां कि यह जनपद की सबसे पुरानी सामाजिक संस्था है लोगों को इससे जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास और सामाजिक सहयोग करना चाहिए। मुख्य वक्ता पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कपूर ने अपने उद्बोधन में बताया कि मंडल का सबसे पुराना अध्याय अपने 61वें वर्ष में एक नया इतिहास बनाएगा और युवाओं का सहयोग लेते हुए इसे एक नई बुलंदियों पर ले जाने मार्गदर्शन दिया। विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवि प्रकाश गुप्ता ने संस्था उद्देश्यों को बताते हुए विभिन्न सामाजिक बुराइयों को संस्था के माध्यम से दूर

जेसीआई जौनपुर का शपथ ग्रहण संपन्न

करने का दिशा निर्देश दिया। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने 2024 के अध्यक्ष आशुतोष जायसवाल को उनके बेहतरीन कार्यकाल के लिए बधाई दिया और चयनित अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव को हर संभव मदद और सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मंडल अधिकारी संदीप पांडे ने लोगों से संस्था के साथ बढ़-चढ़कर जुड़ने की अपील की।मंडल उपाध्यक्ष सोनम चतुर्वेदी ने नए सदस्यों को शपथ दिलाई नए सदस्यों में डॉक्टर विकास यादव, इंद्रजीत मौर्य, डॉ.प्रमोद सैनी, विवेक मौर्य, संदीप वर्मा ने सदस्यता ग्रहण किया,कार्यक्रम को संपन्न कराने में विशेष सहयोग कोषाध्यक्ष प्रशांत सिंह लकी,सचिव सतीश जायसवाल, अंजनी प्रजापति ताहिर कादरी सोनू का रहा। संयोजक ताहिर कादरी द्वारा मुख्य अतिथि का जीवन परिचय पढ़ा गया। भव्य कार्यक्रम का सुंदर संचालन हफिज शाह द्वारा किया गया।इस अवसर पर जेसीआई के पिलर पूर्व मंडल अध्यक्ष क्रमशः शशांक सिंह रानू, रत्नेश गुप्ता, धर्मेंद्र सेठ, संजय गुप्ता, कृष्ण कुमार जायसवाल, दिलीप सिंह एवं सम्मानित सदस्य सर्वेश जायसवाल, सरदार रंजीत सिंह, प्रदीप सिंह, चित्रगुप्त वाचस्पति, कृष्ण गोपाल जयसवाल, श्रेश सेठ, राजकुमार जायसवाल, संतोष अग्रहरि, अजय गुप्ता, रतन सीकरी, शुभम जायसवाल, सौरभ बरनवाल, अजय नाथ जायसवाल, जेसीरेट भाभिया क्रमशः कंचन पांडे, प्रीति जायसवाल, सोनी जायसवाल, यवनिका सिंह, सुधा जायसवाल, श्रद्धा जायसवाल, प्रिया सिंह, जेसीआई शाहगंज सिटी के अध्यक्ष दीपा सेठ को प्रतियोगिता में एक दिन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। राम अवतार अग्रहरि, रविकांत, अजय गुप्ता, ब्रह्मेश्व शुक्ला, अतुल जायसवाल मनीष गुप्ता एवं मनीष देव, आशीष गुप्ता, ओम प्रकाश जायसवाल, राजेश अग्रहरि, सुरेंद्र जायसवाल, संतोष साहू, श्रवण जायसवाल, यशवंत साहू, सुरेंद्र सिंघानिया, मोहम्मद मुस्तफा, सोमेश्वर केसरवानी, संजय अस्थाना सुरेश शर्मा, रविकांत जायसवाल सहित विभिन्न संस्थाओं के तमाम गणमान्य हस्तियां मौजूद रही।

सभी ने अपनी-अपनी शुभकामनाएं जेसीआई जौनपुर को अपने-अपने शब्दों में दिया। और उम्मीद किया की जेसीआई इस वर्ष सेवा की एक इबारत लिखेगा कार्यक्रम के संयोजक अंजनी प्रजापति एवं ताहिर कादरी सोनू ने समारोह में आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया, नीरज श्रीवास्तव और पदाधिकारी ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह और उपहार आभार स्वरूप भेट किया।

काशी में भी दिखा महाकुंभ का असर

विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मकर संक्रांति पर महाकुंभ में स्नान के बाद श्रद्धालुओं का काशी में पलट प्रवाह बुधवार से शुरू हो गया। भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ काशी में उमड़ने लगी। श्रद्धालु गंगा स्नान के साथ ही देवालयों और शिवालयों में दर्शन-पूजन कर रहे हैं। बाबा विश्वनाथ धाम और कालभैरव मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बता दें कि महाकुंभ में स्नान के बाद काशी में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। देश-विदेश में प्रख्यात प्राचीन व देवों की नगरी काशी में दर्शन-पूजन और स्नान दान का विशेष महत्व है। इस लिहाज से महाकुंभ में स्नान के बाद श्रद्धालु काशी भी आ रहे हैं। श्रद्धालुओं का काशी में पलट प्रवाह शुरू होने के चलते

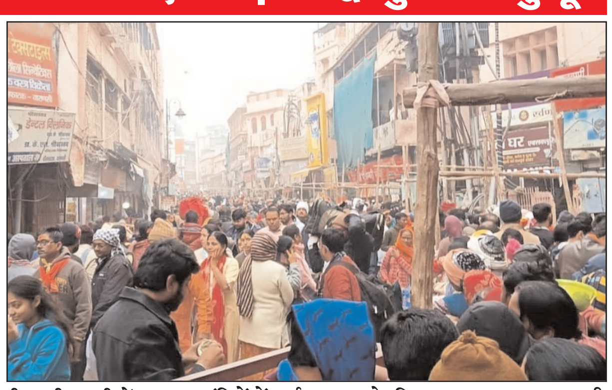

मठ-मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए मुकम्मल व्यवस्था की गई है। विश्वनाथ मंदिर में पूजन से लेकर दर्शन तक की संपूर्ण व्यवस्थाएं बना दी गई हैं। हालांकि भीड़ काफी होने के चलते सुरक्षाकर्मी काबू करने में हांफ जा रहे हैं।

बुजुर्ग, विधवा माता-पिता सम्मान समारोह एवं निशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम में लगभग 150 लाभार्थियों को मिला सम्मान

कलीम अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजसेवी व संपादक विनय कुमार के द्वारा बुधवार को बुजुर्ग माता-

पिता सम्मान एवं निःशुल्क कंबल वितरण का कार्यक्रम किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि उनकी माता मालती देवी रही कार्यक्रम की शुरूआत में भगवान गौतम बुद्ध एवं बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया गया। इसके बाद गांव से आए हुए बुजुर्ग महिला एवं पुरुषों को बारी-बारी से बुलाकर उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। एवं सम्मान पूर्वक कंबल दिया गया आपको बता दे की पिछले कई वर्षों से संपादक विनय कुमार की तरफ से ऐसे कई कार्यक्रम किया जाता है। जैसे निशुल्क पेयजल की व्यवस्था हो या निशुल्क स्वास्थ्य शिविर कैंप हो या बच्चों में कॉपी एवं कलम बांटना हो ऐसी तमाम कार्य इनके द्वारा किए जाते हैं। आज पुनः एक बार फिर से अपने क्षेत्र वासियों जैसे ग्राम सभा पतहना, राघवपुर आदि गांव के बूढ़े बुजुर्ग महिलाओं व पुरुषों को बुला करके उनको सम्मानित किया। इस मौके पर उपस्थित रहे स्वदेश भारत न्यूज के संपादक स्वदेश कुमार, राजेश गौतम मंडल अध्यक्ष वाराणसी पत्रकार एकता संघ, मां धर्म देवी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक सुरेश कुमार शर्मा, राकेश शर्मा मंडल मीडिया प्रभारी पत्रकार एकता संघ, गोरख सोनकर पत्रकार, संदीप यादव पत्रकार, चंद्रकेश प्रजापति युवा समाजसेवी, संजीव गुप्ता समाजसेवी,राम प्रसाद क्षेत्र पंचायत सदस्य, अरविंद कुमार राव ग्राम प्रधान कोहड़ा, डॉक्टर राकेश पतहना, अनिल, सुनील (मास्टर), अभय निगम, सोनू यादव, गायक अनुपम प्रियदर्शी, राजू, हरिमोहन, विपिन, अरुण आदि लोग उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा. द्वारा किया गया सम्मान

समारोह जनपद के वरिष्ठ चिकित्सकों का ब्राह्मण संगठन ने किया सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के कार्यालय कैंप शुक्ला मैरिज लॉन हरबसपुर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा. के नेतृत्व में जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक व सम्मानित जन का सम्मान समारोह का कार्यक्रम मंगलवार के दिन संपन्न हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीपति उपाध्याय द्वारा की गई तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र उमा महेश्वर संस्कृत महाविद्यालय कोल देमा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर वाराणसी मंडल अध्यक्ष जयेंद्र कुमार शुक्ला एवं पं. अवध नारायण तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी द्वारा आयोजित लखनऊ में ब्राह्मण महाकुंभ सम्मेलन के सफलोपरांत जनपद में महिला प्रकोष्ठ का उत्साहवर्धन एवं सम्मानित जनों का सम्मान के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।वहीं कार्यक्रम के दौरान पहुंचे जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक अरुण कुमार मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि हमें सबसे पहले अपने आप को सुधारना होगा अगर हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा। जिससे समाज में एकता कायम रहे जहां सभी को एक-दूसरे का सहयोग करते हुए सभी की सहायता करनी है। जिससे समाज में भाईचारा बना रहे। वहीं सभी आगंतुकों ने अपने-अपने विचार रखें तथा डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र द्वारा सभी आगंतुकों को अंग वस्त्र भेंट किया गया। कार्यक्रम की देखरेख मंडल अध्यक्ष वाराणसी जयेंद्र कुमार शुक्ला एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रीति त्रिपाठी के द्वारा संपन्न कराया गया कार्यक्रम का संचालन अजय त्रिपाठी प्रधानाचार्य द्वारा किया गया इस मौके पर डॉ. बीएस उपाध्याय डॉ. विनय कुमार तिवारी, पं. अवध नारायण तिवारी, रामदयाल द्विवेदी, राम जी तिवारी, रामेश्वर त्रिपाठी, शेषमणि पांडे, कृष्ण चंद्र तिवारी, पी. पी. दुबे,रविंद्र मिश्रा, संजीव पाठक, अरुण कुमार पाठक, गौरी शंकर मिश्रा अधिवक्ता, पं. राजेंद्र तिवारी, कृष्णकांत त्रिपाठी, रामकृष्ण त्रिपाठी जिला अध्यक्ष परशुराम सेना, प्रखर, विपुल पाठक, कृष्णानंद उपाध्याय, गिरजा शंकर पाठक, धर्म दत दादा, रविंद्र मिश्रा, मातांफेर मिश्र तथा सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शासन की प्राथमिकताओं का शत प्रतिशत होगा पालन: डॉ.योगिता सिंह

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवागत उप जिलाधिकारी डॉ. योगिता सिंह ने सोमवार को तहसील बदलापुर में एसडीएम के पद पर कार्य भार ग्रहण किया। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही तहसील के विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया।और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि काम में शिथिलता एवं लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम डॉ योगिता सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि शासन की प्राथमिकताओं का शत प्रतिशत पालन कराना उनका पहला कर्तव्य होगा।आम आदमी की समस्याओं का निस्तारण करना व तुरंत न्याय पर ध्यान दिया जाएगा। पीड़ित के लिए हमारे दरवाजे सदैव खुले रहेंगे। बहुत जल्द परिवर्तन नजर आने लगेगा। मूलतः जनपद अलीगढ़ की रहने वाली वर्ष 2023 की पीसीएस डॉ योगिता सिंह की पहली पोस्टिंग बीते वर्ष 11 सितम्बर को जिले के मड़ियाहूं तहसील में बतौर न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर हुई थी। इस दौरान तहसीलदार राकेश कुमार,नायब तहसीलदार बृजेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद थे। गौरतलब है कि एसडीएम के पद पर सदैव सुर्खियों में चर्चित रहे बदलापुर के एसडीएम संत वीर सिंह का तबादला जिले के मछलीशहर तहसील में न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर हुआ है।

डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने का झांसा देकर हड़प लिए 7.11 लाख, पुलिस से की शिकायत

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। कैंपा कोला इंडिया की डिस्ट्रीब्यूटरशिप देने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने निराला नगर की रहने वाली व्यवसायी कीर्ति यादव से 7.11 लाख रुपये हड़प लिए। कीर्ति की तहरीर पर सिबर क्राइम थाने की पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी। कीर्ति यादव ने पुलिस को बताया कि वह एक साल से फर्म की सहयोगी के रूप में प्रोडक्ट डिस्ट्रीब्यूशन का काम करती है ! उन्होंने कैंपा कोला इंडिया के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए आवेदन किया था। इसकी जानकारी के लिए उन्होंने गूगल से कैंपा कोला की साइट सर्च की। आनलाइन संपर्क करने पर उनसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, कैंसिल्ड चेक, फोटो, पिछले तीन महीने की बैंक स्टेटमेंट, पासपोर्ट साइज फोटो, आईटीआर की कॉपी और जीएसटी सर्टिफिकेट स्कैन कर कॉपी मांगी। उन्हें बताया गया कि उनकी फर्म को एक सुपर स्टाकर बनाया जा रहा है। इसके लिए 6.46 लाख रुपये कैंपा कोला इंडिया के खाते में जमा करने को कहा गया। मगर उनसे 7.11 लाख रुपये का भुगतान कराया गया। इसके बाद भी 5.90 लाख रुपये की मांग रखी गई तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने पता लगाया तो साइबर फ्रॉड की जानकारी मिली।

भीड़ नियंत्रण व सुचारू आवागमन के मद्देनजर डीएम और अपर पुलिस कमिश्नर ने विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गंगा स्नान और बाबा काशी विश्वनाथ धाम मंदिर में दर्शन करने पहुँचे श्रद्धालुओं/दर्शनार्थियों के सुचारू आवागमन व भीड़ नियंत्रण को लेकर जिलाधिकारी एस. रामलिंगम और अपर पुलिस कमिश्नर डॉ एस चिनप्पा ने बुधवार को विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी और अपर पुलिस कमिश्नर गोदौलिया चौराहे से दशाश्वमेध घाट तक पैदल चलते हुए ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निर्देश देते रहे और लोगों से भी आवश्यक सहयोग करने व कतारबद्ध होकर चलने की अपील करते रहे। उन्होंने दशाश्वमेध घाट, मान मंदिर घाट, त्रिपुर घाट, ललिता घाट, मणिकर्णिका घाट और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के पुख्ता सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने घाट पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी नाव संचालक बिना लाइफ जैकेट लोगों को नाव में न बैठाए, यह सुनिश्चित किया जाए। कहा कि जिनकी भी ड्यूटी यहाँ लगाई गई है, वे सभी कर्मी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए लोगों सुगम दर्शन और गंगा स्नान कराना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के दौरान एडीसीपी काशी जोन टी सरवनन, एसीपी सहित पुलिस विभाग अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। बता दें कि प्रशासन की ओर से गंगा घाटों और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है।

जीवन में संचेतना जगाने का पर्व है मकर संक्रांति: मुरली पाल

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर का मकर संक्रांति उत्सव कार्यक्रम लक्ष्मी नारायण वाटिका में उत्साह से हुआ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रान्त कार्यवाह मुरलीपाल जी रहे। कहां आरएसएस सामाजिक जीवन में संचेतना जगाता हैं हम छह उत्सव में सभी को सम्मिलित होने का आग्रह करते हैं। संस्कार नेतृत्व समरसता संघ की शाखा में ही प्राप्त होते है। कभी लोभ में कभी तलवारों के बल पर विधर्मियों ने हमें डरवाया। परन्तु हम डरे नहीं। भारत एक ऐसा देश है जिसे व्यक्ति ने नहीं वरन ईश्वर ने बनाया है। अवतारी पुरुषों की धरती हिन्दुस्तान रही है। बड़े सौभाग्य से यह नर तन मिला है जो देवताओं को भी दुर्लभ है। हम अपनी सार्थकता सिद्ध करने के लिए इस धरती पर पैदा हुए हैं। हम कालांतर में घटते गए नेपाल, भूटान, बर्मा, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया हमारे देश के धरती के अंग थे। वर्तमान में कई विनाशकारी शक्तियां हमे मिटाना चाहती हैं। अतः हमें संगठित रहना है। तमाम संगठन आए लेकिन वो मिट गए। संघ ही सितंबर माह में १०० वर्ष पूरे करने जा रहा है। इस दौरान नगर कार्यवाह हनुमान अग्रहरि, हर्षचन्द्र जायसवाल, राम पलट लोटा, शुभम केसरवानी आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मना हजरत अली मुर्तजा का यौमे पैदाइश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद के दामाद और इस्लामी इतिहास में अपना एक अलग व्यक्तित्व रखने वाले खलीफा हजरत अली का जन्म इस्लामी महीने रज्जब की 13 तारीख को अरब जगत के मक्का शहर में हुआ था। आज इस्लामी जंतरी के हिसाब से 13 रजब को हजरत अली के यौमे पैदाइश यानी अली डे के मौके पर जौनपुर शहर मे जगह जगह विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। किला गेट बालुआघाट पर मौलाना महफूजल हसन खां पेश इमाम शिया जामा मस्जिद की सरपरस्ती में एक केक काटा गया उसके बाद नजरे मौला व महफिल हुई जिसमें शायरे अहलेबैत ने अपना अपना कलाम पेश किया। इसी क्रम में नगर के वजीबा बीबी इमामबाड़े सिपाह में हजरत अली अ स के जन्मोत्सव पर बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ नजर व मफहील हुई। उक्त कार्यक्रम की शुरूवात सन 2015 में शमीम हैदर ने किया था उसके बाद एक कमेटी का गठन किया गया जिसमें सदर शमीम हैदर, सेक्रेटरी राशिद हसनैन, और खजांची सफदर हुसैन बनाये गए।

महफिल में हदीसे केसा सैयद कुमैल हैदर ने पढ़ा उसके बाद मौला अली अ स की नजर हुई फिर शायरे अहलेबैत फजल अब्बास, मो हैदर, मुर्तजा मेंहदी, ताबिश अब्बास, सफदर हुसैन, फैजान रिजवी, मो अली ने अपना अपना कलाम पेश किया। इसके बाद लोगों ने बच्चों में फल मिठाइयां सहित अन्य सामग्री का वितरण किया। उक्त समस्त कार्यक्रम के अवसर पर शब्बीर हैदर अम्मार, अकबर अली, सैयद हसन शाकिर, मेहंदी अब्बास, एजाज रिजवी, फिरोज खान, जाविश, जावेद हैदर, अरशद हसनैन, रागिब इकबाल जैदी, एकराम हसनैन बंटी, राजा, इरफान, शाहनवाज हसनैन, जीशान, शेखू, साहिल, कौसर, मौलाना फरमान, राही, पप्पू, हैदर, अब्बास, समीर खान आदि दूर और पास के लोग मौजूद थे।

हाईवे पर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पत्नी की हुई मौत, पति घायल

चालक ट्रक लेकर हुआ फरार, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया थाना क्षेत्र के अखरी बाईपास स्थित हाईवे पर बुधवार को ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार खुशीपुर निवासी श्रीराम यादव की 65 वर्षीय पत्नी बदामा देवी नामक महिला की मौत हो गयी। घटनास्थल से ट्रक लेकर ड्राइवर फरार हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची रोहनिया पुलिस ने मृतक की शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार खुशीपुर निवासी श्री राम यादव अपनी पत्नी बदामा देवी को टीवीएस एक्सएल बाइक से अखरी स्थित इंदिरा हॉस्पिटल में चश्मा लेने गए थे वहां से लौटते समय अखरी बाईपास स्थित हाईवे पर पीछे से आ रही ट्रक ने धक्का मार दिया जिससे अनियंत्रित होकर बाइक सवार बदामा देवी ट्रक के नीचे आ गई और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा श्रीराम यादव बाई तरफ बाइक लेकर गिर गए जिन्हें हल्की चोट आयी। घटना की सूचना मिलने पर परिवार वालों में कोहराम मच गया तथा गांव के लोग गमगीन हो गये। मृतक बदामा देवी को तीन लड़का और तीन लड़की है।

हजरत अली की पैदाइश की खुशी में सजी महफिल, शायरों ने की मदहे मौला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महफिल में पेश किए हजरत अली की शान में कसीदें दर नया खोला गया है काबे की दीवार में मिसरे पर शायरो ने पढ़े शेर मुसलमानों के खलीफा शियो के पहले इमाम मौलाए कायनात हजरत इमाम अली अलैहिस्सलाम के जन्मदिवस के मौके पर स्थान मरहूम सैय्यद अली शब्बर के निवास मोहल्ला अजमेरी मे एक महफिल सजी ₹बजमे मौलूदे काबा₹ जिसमें शायरों ने हजरत अली की शान में अपने कलाम पेश किए। कसीदे सुनकर श्रृद्धालु मंत्रमुग्ध होते रहे और खूब वाह वाही किया। इससे पहले महफिल का आगाज धर्मगुरु मौलाना सैय्यद सफदर हुसैन जैदी ने कुरआन-ए-पाक की तिलावत से किया और हजरत अली की जिंदगी पर रोशनी डालते हुए कहा कि हजरत अली अलैहिस्सलाम की ज़िन्दगी हर इंसान के लिए आइडियल और नमूना है। उन्होंने हाकिम और वली होने के साथ उम्मत की रहबरी जब से जब तक सभाली तारीख गवाह है कि उस दौरान कोई भी भूखा नहीं रहा किसी के साथ नाइंसाफी नही हुई। जो कि आज के दुनिया में तमाम हाकिमों के लिए एक सबक हैं। महफिल का मिसरा ₹दर नया खोला गया है काबे की दीवार मे₹ रहा जिसपर शायरो ने अपने कलाम पेश किये। मौलाना सै. आबिद रजा रिजवी मोहम्मदाबादी ने पढ़ा कि- एक अलीए खामनाई ने पढ़ाया था जुमा, कितना दम है देख ले दुनिया मेरी दस्तार मे। नजमी जौनपुरी ने पढ़ा- जिक्र से हैदर के जीनत दो तुम अपनी बज्म को, लाएगा तब्दीलियाँ ये आपके किरदार में। राहिब जौनपुरी ने पढ़ा- आमदे मालाएं गुल से है मुनव्वर दो जहाँ, नूर बरसा आसमा से गुल खिले गुलजार मे। रविश जौनपुरी ने पढ़ा- हम सही हो जाए गर से सब सही हो जायेगा, है कमी कितनी मेरे अन्दर मेरे किरदार मे। तनवीर जौनपुरी ने पढ़ा- तेरी सूरत आइना दारे सिफाते किबरिया, एक अलग मेराज पिनहा है तेरे दीदार मे। महफि ल में शायरो शादाब जौनपुरी, जीशान अकबरपुरी, मौलाना सै शाजान जैदी, कैफी मोहम्मदाबादी, आमिर कजगांवी, ताबिश काजमी, अली अब्बास, अनवर जौनपुरी, वजीह, मेहंदी जैदी, शोजब भादवी, एतेशाम रूधौलवी, खुमैनी, अबु तालिब जैदी, साहेबरजा, मूसा, अजादार, वसीम, तालिब, जमानत आदि शायरो ने मौला अली की शान मे कसीदे पढ़े। अन्त मे नज्र-ए-मौला अली हुई और लोगो की सलामती तरक्की की दुआ कराई गई। लोगों ने एक-दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद पेश की और खुशियां मनाईं। संचालन सै. मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर कायम आब्दी, आरिफ हुसैनी, सै मो हसन नसीम, इसरार हुसैन एडवोकेट, मुफ्ती नजमुल हसन, दानिश काजमी, मुफ्ती शारिब, असद, इनायत अब्बास काजमी, अनवारूल हसन, मासूम आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संघर्षों पर विजय प्राप्त करने वाला ही असली विजेता – विपिन सिंह

जौनपुर। संघर्षों पर विजय प्राप्त करने वाला ही असली विजेता होता है। गांव में रहने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने में मेरा पूरा सहयोग रहेगा। भारतीय खिलाड़ी जिस तरह से पूरी दुनिया में देश का परचम लहरा रहे हैं, उसे देखते हुए नवोदित खिलाड़ियों को पूरी तरह से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मड़ियाहूं अड़ियार गांव स्थित खरका का मैदान में आयोजित 49वे सर्वोदय ट्रॉफी 2025, क्रिकेट टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख विपिन राजेश सिंह ने उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को कभी भी हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल में हार जीत तो होते रहते हैं, परंतु पूरी ताकत के साथ मुकाबला करना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि मेरा एक ही सपना है और मैं बचपन से एक ही सपना देखते आ रहा हूं कि मेरे मड़ियाहूं के बच्चे, मेरी बहने खेल में आगे आए और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे क्षेत्र हमारे जिले का नाम रोशन करें। मेरा एक ही यहां उपस्थित सभी नौजवान साथियों से और बहनों से प्रार्थना है कि आप लगातार आगे बढ़े। आयोजन समिति के अध्यक्ष देव उपाध्याय ने युवाओं के लिए हमेशा खड़े रहने वाले विपिन सिंह की सराहना करते हुए कहा कि खेल का युवा आपको अपना रोल मॉडल मानता है। युवाओं के प्रोत्साहन की दिशा में आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की जितनी भी सराहना की जाए कम है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष आशीष त्रिपाठी, मनीष उपाध्याय, सोनू उपाध्याय, संजय उपाध्याय, सतीश उपाध्याय समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति के पर्व पर कांग्रेस नेताओं द्वारा पतंग वितरण

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर ईशान्य मुंबई कांग्रेस नेता राकेश राघवन द्वारा मुलुंड के सभी कांग्रेस कार्यालय में नेताओं द्वारा बच्चों को पतंग वितरण का कार्यक्रम किया गया। मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा, उपाध्यक्ष के के तिवारी,सुरेश कोपरकर,महासचिव सुनील गंगवानी,डॉ. आर. आर. सिंह,राकेश शेट्टी, डॉ. बाबूलाल सिंह, किशोर मुंडेकल, जिलाध्यक्ष अब्राहम रॉय मणि, कार्याध्यक्ष उत्तम गीते, महासचिव डॉ. सचिन सिंह के कार्यालय पर पतंग वितरण संपन्न हुआ। इस आयोजन में ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द यादव, डॉ.आर.एम. पाल,हेमंत ठाकुर, विजय पाटेकर, रीना मोजेस का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मुलुंड के सैकड़ों विद्यार्थियों /बच्चों ने पतंग महोत्सव का आनंद उठाया।

युवा स्टेशनरी की रोबो सुमो प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई अपनी नवाचारी सोच और प्रतिस्पर्धा का जज्बा

मुंबई। नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड के प्रमुख ब्रांड युवा स्टेशनरी ने युवा रोबो सुमो नामक एक रोमांचक और नवाचारी कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की सृजनात्मकता और तकनीकी कौशल को बढ़ावा देना था। इस अनोखी प्रतियोगिता में मुंबई के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया, जहां उन्होंने अपने रोबोट्स को डिजाइन किया, तैयार किया और सुमो कुश्ती जैसा मुकाबला किया। कार्यक्रम का आयोजन कई स्कूलों में किया गया, जिनमें सेंट विल्फ्रेड स्कूल (मीरा रोड), दोस्ती फाउंडेशन हाई स्कूल, गोकुलधाम हाई स्कूल, पार्ले तिलक विद्यालय स्कूल आईसीएसई, सेंट विल्फ्रेड- उलवे, जीडी सोमानी, लक्षधाम हाई स्कूल, गार्डियन्स स्कूल आईसीएसई, कापोल विद्यानिधि इंटरनेशनल स्कूल और सेंट एग्नेस हाई स्कूल शामिल थे। इन स्कूलों के सैकड़ों छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

छात्रों को पाँच-पाँच की टीमों में विभाजित किया गया था। हर टीम को बैटरी से चलने वाली रोबोट बनाने की किट दी गई और उन्होंने मिलकर कार्यात्मक रोबोट तैयार किए। प्रतियोगिता का समापन रोमांचक रोबोट लड़ाई से हुआ, जिसमें टीमों ने सुमो कुश्ती के प्रारूप की तरह अपने प्रतिद्वंद्वी के रोबोट को निर्धारित रिंग से बाहर धकेलने का प्रयास किया। प्रतिभा का भव्य प्रदर्शनः स्कूल स्तर की प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने अपने साथियों के लिए उत्साहपूर्वक समर्थन किया, जिससे एक जीवंत और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बना। प्रत्येक स्कूल के विजेता 19 दिसंबर 2024 को आईआईटी बॉम्बे के प्रतिष्ठित टेकफेस्ट में आयोजित ग्रैंड फिनाले में पहुंचे।

पेपरवर्ल्ड इंडिया और कॉर्पोरेट गिफ्ट्स शो 2025 का आयोजन

मुंबई। पेपरवर्ल्ड इंडिया और कॉरपोरेट गिफ्ट्स शो के साथ, मुंबई में बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में 23 से 25 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाला है। ये दोनों कार्यक्रम कार्यालय, कला और शिल्प आपूर्ति के लिए शीर्ष-गुणवत्ता और ट्रेंडसेटिंग स्टेशनरी के नए आविष्कार देखने के लिए सबसे प्रतीक्षित मंच हैं, साथ ही रोमांचक कॉपोरेट, मौसमी और त्यौहारी उपहारों के साथ-साथ अनुकूलित उपहार समाधान भी हैं। शो में आगंतुकों को 340 से अधिक प्रदर्शकों के आकर्षक नवाचारों, उत्पादों के साथ-साथ तकनीकी समाधान देखने का मौका मिलेगा। 17,000 वर्गमीटर में फैले इस एक्सपो में कई नए उत्पाद लॉन्च किए जाएंगे। इस साल, पेपरवर्ल्ड इंडिया ने शैक्षिक खिलौने, कागज और कागज उत्पादों जैसे क्षेत्रों से बढ़ती भागीदारी देखी है, जिसमें टिकाऊ कागज ब्रांड शामिल हैं। इसी तरह, कॉरपोरेट गिफ्ट शो फार्मा पैकेजिंग और गिफ्टिंग, कस्टमाइज्ड गिफ्टिंग ब्रांड और बैग और परिधान जैसे क्षेत्रों में वृद्धि का अनुभव कर रहा है। स्टेशनरी, कागज और कागज उत्पाद और कॉरपोरेट गिफ्टिंग सेगमेंट, भारत में सबसे गतिशील उद्योगों में से कुछ हैंः लगातार नए और आकर्षक उत्पादों को विकसित करने की अपनी रचनात्मक क्षमता और कस्टमाइजेशन के लाभ को देखते हुए, मांग को बढ़ावा मिलता है। मेसे फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक और बोर्ड सदस्य राज मानेक ने उत्साहपूर्वक टिप्पणी कीः ?कॉरपोरेट गिफ्ट शो के साथ सह-स्थित पेपरवर्ल्ड इंडिया का आगामी संस्करण उद्योग को आकार देने वाले नवीनतम रुझानों पर प्रकाश डालेगा। दोनों शो सेगमेंट बहुत गतिशील हैं और इस वर्ष प्रदर्शक अपने उद्योगों में उभरते उत्पाद रुझान प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, मुझे यह साझा करते हुए भी खुशी हो रही है कि हमारे पास ऐसे ब्रांड हैं जो टिकाऊ समाधान पेश कर रहे हैं। हम साल की शुरूआत में इस मंच को पेश करने के लिए रोमांचित हैं जो उपहार, कार्यालय और स्कूल की आपूर्ति की जरूरतों के लिए अभिनव समाधानों की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है।

अनाथ बच्चों को आदर्श व्यक्ति बनाने का तर्पण फाउंडेशन का कार्य विश्व का सर्वश्रेष्ठ कार्य है : राम शिंदे

नवी मुंबई/ठाणे। अनाथ बच्चों को आदर्श व्यक्ति बनाने का तर्पण फाउंडेशन का कार्य विश्व का सर्वश्रेष्ठ कार्य है और विधान परिषद के सभापति के रूप में मैं अनाथ बच्चों से जुड़े मुद्दों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा, ऐसा वक्तव्य विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे ने आज मुम्बई में आयोजित तर्पण युवा पुरस्कार समारोह में कहां। अनाथालयों और बालगृहों से बाहर निकले अनाथ बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था तर्पण फाउंडेशन, युवाओं की अद्वितीय उपलब्धियों और योगदानों को सम्मानित करने, उनकी प्रशंसा करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए हर साल 'तर्पण युवा पुरस्कार' का आयोजन करती है। यह इस पुरस्कार चौथा वर्ष है। इस

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रूप में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, महिला एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री अदिति तटकरे, विधान परिषद के विधायक एवं तर्पण फाउंडेशन के संस्थापक श्रीकांत भारतीय उपस्थित थे। तथा विशेष अतिथि के रूप में वॉकहार्ट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक डॉ. हुजैफा खोरेकीवाला, कोहिनूर समूह के संस्थापक और अध्यक्ष कृष्णकुमार गोयल और इस्कॉन के प्रवक्ता श्री नित्यानंद चरणदास उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में सनाथ वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमती गायत्री पाठक, स्नेहवन संस्था के संस्थापक अशोक देशमाने और श्री संस्कार मतिमंद मुलींचे वसतिगृह (मानसिक विकलांग बालिका छात्रावास) की अध्यक्ष श्रीमती मंगलताई वाघ को विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे और मंत्री अदिति तटकरे के हाथों तर्पण युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुंबई से बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले धर्मार्थ संगठनों के प्रतिनिधि और सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोग शामिल हुए। प्रो. राम शिंदे ने आगे कहा कि पिछले 75 वर्षों में अनाथ बच्चों को आरक्षण देने का विचार किसी राजनेता के दिमाग में नहीं आया। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सरकारी नौकरियों में अनाथ बच्चों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था।

भारत को हल्दी का वैश्विक केंद्र बनाने पर आईसीआरआईईआर-एमवे रिपोर्ट का विमोचन

मुंबई। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के शुभारंभ के एक दिन बाद, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) और एमवे इंडिया एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने आज हृभारत को हल्दी का वैश्विक केंद्र बनानेहृ शीर्षक से एक व्यापक संयुक्त रिपोर्ट का अनावरण किया, जिसमें हल्दी किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों को संबोधित किया गया और वैश्विक हल्दी बाजार में भारत की स्थिति को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप पेश किया गया। मंगलवार को, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री

पीयूष गोयल ने देश के प्रमुख हल्दी केंद्रों में से एक, उत्तरी तेलंगाना के निजामाबाद में बोर्ड के कार्यालय का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। नए बोर्ड का लक्ष्य 2030 तक हल्दी के निर्यात को 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना है। क्फफ्फफ

एमवे रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि 2020 में 58.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के वैश्विक हल्दी बाजार के 2028 तक 16.1 प्रतिशत की उछाल से बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन भारतीय हल्दी किसानों को कीमतों में उतार-चढ़ाव, सीमित बाजार पहुंच और कटाई के बाद अपर्याप्त बुनियादी ढांचे जैसी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। भारत में 297,460 हेक्टेयर में हल्दी की खेती होने के बावजूद 2023-24 में 1,041,730 मीट्रिक टन उत्पादन की उम्मीद है, लेकिन उत्पादन को स्थिर करने और किसानों को सशक्त बनाने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की सख्त जरूरत है।कार्यक्रम की शुरूआत आईसीआरआईईआर के निदेशक और मुख्य कार्यकारी डॉ. दीपक मिश्रा के स्वागत भाषण और भारत सरकार के नीति आयोग के सदस्यरमेश चंद के मुख्य भाषण से हुई। अपने स्वागत भाषण में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. दीपक मिश्रा ने कहा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का अनुमान है कि भारत का हल्दी निर्यात 2030 तक 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। सरकार ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की भी स्थापना की है। अध्ययन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए, मुख्य लेखिका डॉ. अर्पिता मुखर्जी ने कहा, इस रिपोर्ट का उद्देश्य भारत में हल्दी और हल्दी उत्पादों के विकास और वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हुए वर्तमान रुझानों और विकास को प्रस्तुत करना है, तथा वैश्विक हल्दी उत्पादन और निर्यात केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

वैद्य डॉ. हरीश सिंह जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई - 40 वर्षो से अधिक समय से आयुर्वेद अध्यापन,चिकित्सा, पोस्ट ग्रेजुएट गाइड के रूप में सेवा दे रहे वैद्य डॉ. हरीश सिंह को आयुरकॉन 2025, आयुर्वेद एक्सीलेंस अवार्ड समारोह में जीवन गौरव पुरस्कार - लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार महाराष्ट्र आयुर्वेद महा सम्मलेन द्वारा श्रीरामपुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित समारोह में शिर्डी के सांसद भाऊ साहब वाकचौरे द्वारा प्रदान किया गया। इस महासम्मेलन में देश विदेश में आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्य कर रहे 1500 विशेषज्ञ शामिल हुए। महासम्मेलन का आयोजन महाराष्ट्र आयुर्वेद सम्मलेन के अध्यक्ष सुप्रसिद्ध वैद्य सतीश भट्टड द्वारा किया गया। इस सम्मलेन में आयुर्वेद तथा अ. भा. पारम्परिक चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य कर रहे कई वैद्यों को विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मुंबई के पोद्दार आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, के. जी.मित्तल आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रोफेसर एवं पी एच डी गाइड के रूप में सेवा दे रहे डॉ. हरीश सिंह ने यह पुरस्कार अपने गुरुओं, माता पिता, परिजनों, मित्रों, विद्यार्थियों को समर्पित किया है। वर्तमान में अपनी सेवा मुलुंड, मुंबई में प्रदान कर रहे हैं। डॉ. हरीश सिंह की महान उपलब्धि पर वैद्य ताथेड, डॉ. श्रीकांत गुप्ते, डॉ.बाबूलाल सिंह, डॉ. आर. आर. सिंह,डॉ. गिरीश सिंह, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. दीपक सिंह ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रदान किया है।

अवधी सुगंध का लोकार्पण और कवि सम्मेलन सम्पन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मालाड पूर्व स्थिति शारदा ज्ञानपीठ सभागृह में अवधी के चतुर चितेरों का भव्य समागम हुआ। वरिष्ठ कवि रामसिंह की पुस्तक 'अवधी सुगंध ' के लोकार्पण का। इस अवसर पर हास्य कवि सुरेश मिश्र के अद्भुत संचालन में एक कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें हास्य कवि महेश दूबे,निडर जौनपुरी, जवाहरलाल निर्झर, डॉ रोशनी किरण,डाक्टर कृपा शंकर मिश्र, पंडित राम व्यास उपाध्याय, अल्हड़ असरदार,शिव प्रकाश जौनपुरी ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरेश मिश्र की कविता 'बेटी के नाम खत' सुनकर श्रोताओं की आंखें नम हो गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता शारदा ज्ञानपीठ के प्रमुख डाक्टर शारदा प्रसाद शर्मा ने की। वक्ताओं में भाजपा नेता अमरजीत मिश्र, महाराष्ट्र राज्य साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ.शीतला प्रसाद दूबे, समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डा. किशोर सिंह ने कवि राम सिंह के अवधी प्रेम और समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर आर.के.सर, प्राध्यापक जेपी सिंह, ललित पाल, शरद सिंह,राम कुमार पाल, हरिकृष्ण सिंह, ब्रह्मदेव मिश्र सहित भारी संख्या में साहित्यकार और शिक्षक उपस्थित थे। अंत में राम सिंह ने सभी आगंतुक मेहमानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी के साथ गरीबों में कंबल वितरित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। मकर संक्रांति पर्व के शुभ अवसर पर राम जानकी राधाकृष्ण हनुमान मंदिर मरूई, सिंधोरा बाजार वाराणसी में रीति-रिवाज के अनुसार पावन धाम के प्रांगण में मंगलवार दिनांक 14 जनवरी 2025 को खिचड़ी बाल भोज का आयोजन किया गया। तत्पश्चात मंदिर समिति द्वारा निराश्रित महिलाओं को ठंड से बचने हेतु ठंड में कंबल वितरण किया गया। जिसमें जिला मंत्री भाजपा वाराणसी बृजभूषण शर्मा उर्फ फौजदार, मंडल अध्यक्ष बसंत उपाध्याय,संतोष यादव,महेंद्र वर्मा, महेंद्र शर्मा, नागेन्द्र वर्मा, लक्ष्मी पटेल, महेंद्र प्रताप, रामराज राजभर, शंभू,संजय, विजय, अनिल मौर्य, उमेशचंद्र मौर्या सहित सभी सम्मानित भक्त उपस्थित रहे।बच्चों ने खिचड़ी का स्वाद एवं निराश्रित महिलाओं ने कंबल पाकर मकरसंक्रांति पर खुशी व्यक्त करते हुए कार्यकताओं एवं आयोजन समिति का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दूसरों के दर्द में जो रोये वही भगवान है : आचार्य श्यामजी

-प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नारद जी को जगत का पहला पत्रकार बतलाते हुए आचार्य श्यामजी महाराज ने व्यासपीठ से संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार सर्वकाल प्रासंगिक रहे। सनातन धर्मियों को सचेत करते हुए श्यामजी महाराज ने कहा कि जनसंख्या को देश की विकट समस्या बतलाने वाले लोगों को यह जान लेना चाहिए कि द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण की संख्या 56 करोड़ थी। तब हम सनातनियो को ही संतति नियंत्रण कानून के घेरे में क्यों कैद किया जा रहा है। विधर्मियों को को भी इस कानून को पालन की अनिवार्यता होनी चाहिए। एक देश एक विधान का सिद्धात होना चाहिए। श्यामजी महाराज के व्यासत्व और श्रीरामजानकी सेवासमिति के आयोजकत्व में 7से 14 जनवरी तक नालासोपारा पूर्व स्थित श्रीमद्भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में कथा को विस्तार प्रदान करते हुए कहा कि त्रेता और द्वापर में युद्ध भी सैद्धांतिक और न्यायपूर्ण हुआ करते थे किंतु आज हम यदि रावण से तुलना करे तो ऐसा लगेगा कि, हम तो उससे भी आगे निकल चुके हैं। श्रीमद्भागवत कथा के भाव को स्पष्ट करते हुए आचार्य ने कहा कि, दूसरों की विपत्ति में भी जो रोये वही तो भगवान है। द्वारिकापुरी के त्याग प्रसंग की चर्चा करते हुए आचार्य श्यामजी ने कहा कि भगवान का यह त्याग हमे यह संदेश देता है कि, सांसारिक वस्तुओं का त्याग करने में विलंब कभी नही करना चाहिए।संसार में मृत्यु के पश्चात दिवंगत लोगों के नाम के आगे स्वर्गीय और गोलोकधाम वासी लिखना ठीक नही क्योंकि स्वर्ग और गोलोकधाम की प्राप्ति जीव को उसके कर्म के अनुसार प्राप्त होता है। इस पावन आयोजन में पूर्व सभापति निलेश देशमुख, माजी नगरसेवक वैभव पाटील, वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह,वरिष्ठ भाजपा नेता जे. पी. सिंह,समाज सेवक टिकोरी मिश्रा, अजय सिंह ठाकुर, शिवशंकर सिंह डब्लू, पत्रकार प्रेम चौबे,सी बी. सिंह,समाज सेविका सुधा दूबे, दिनेशप्रताप सिंह आदि ने भी अपनी उपस्थिति से पुण्यलाभ अर्जित किया।

इसुजु मोटर्स इंडिया की ओर से भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 में होगा कॉन्सेप्ट डी-मैक्स बीईवी का प्रदर्शन

मुंबई। इसुजु मोटर्स इंडिया साल 2025 के भारत मोबिलिटी एक्सपो में अपने बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल (बीईवी) प्रोटोटाइप, डी-मैक्स बीईवी की पेशकश के साथ अपनी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कॉन्सेप्ट पिकअप के प्रदर्शन के लिए तैयार है। इस वाहन को पहली बार इस साल की शुरूआत में थाईलैंड में पेश किया गया था। डी-मैक्स बीईवी को वाणिज्यिक और यात्री वाहनों की कई तरह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है, साथ ही इसमें उस दमदार प्रदर्शन को भी बरकरार रखा गया है जिसकी उम्मीद पिकअप ट्रकों से की जाती है। यह सस्टेनेबल इनोवेशन की दिशा में के लगातार जारी सफर में एक बड़ा कदम है, जिससे जाहिर होता है कि कंपनी भविष्य के लिए तैयार समाधान विकसित करने के इरादे पर अटल है। यह कॉन्सेप्ट वाहन में आगे और पीछे की ओर हाल ही में विकसित किए गए ई-एक्सल के साथ-साथ फुल-टाइम 4डब्ल्यूडी सिस्टम लगाया गया है, जो उबड़-खाबड़ सड़कों और एक-समान रास्ते पर गति में बढ़ोतरी के मामले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। डी-मैक्स बीईवी का फ्रेम और बॉडी डिजाइन काफी मजबूत है तथा इसके खींचने की क्षमता भी अधिक है, जो मौजूदा डीजल मॉडल की तरह ही अच्छा प्रदर्शन करेगा। डी-मैक्स बीईवी के अलावा, इसुजु की ओर से डी-मैक्स एस-कैब जेड का एक्सेसरीज्ड वर्जन भी प्रदर्शित किया जाएगा। यह वाहन ब्रांड की मजबूत, भरोसेमंद और बहु-उपयोगी वाहन पेश करने की विरासत का प्रमाण है। डी-मैक्स एस-कैब जेड को अपनी मजबूती और बेहतर क्षमता के लिए जाना जाता है, तथा प्रदर्शन एवं कार्यक्षमता के मामले में अव्वल दर्जे का यह वाहन वाणिज्यिक संचालन के लिए पसंदीदा विकल्प बना हुआ है। ये दोनों वाहन कंपनी की भारत मोबिलिटी थीम हाअभी... और हमेशा के लिए' के अनुरूप हैं।

आशिहारा कराटे राष्ट्रीय टूर्नामेंट 2025 सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। आशिहारा कराटे राष्ट्रीय टूर्नामेंट 2025 का भव्य आयोजन लायंस क्लब ऑफ मुलुंड में किया गया। इस टूर्नामेंट में महाराष्ट्र, मुंबई, पुणे, गुजरात, सूरत, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तर बंगाल, कोलकाता, बिहार, उत्तर प्रदेश और दक्षिण अफ्रीका की अंतरराष्ट्रीय टीम सहित करीब 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन शिहान दयाशंकर पाल, महाराष्ट्र प्रमुख, आशिहारा कराटे द्वारा किया गया, जबकि भारत के आशिहारा कराटे अध्यक्ष सी. ए. तांबोली और आशिहारा कराटे के वर्ल्ड चीफ, हूसेन नरकर ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से आयोजन को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष भरत छेड़ा, चेयरमैन जाधवजी सालिया, पुलिस निरीक्षक महेश श्रीधर बाणे, बीएमसी एएसआई प्रसाद डोके,और सामाजसेवी डॉ. सचिन सिंह, डॉ. आर. एम. पाल,शरीफ खान,चन्द्रवीर यादव अश्विनी पोषे, शोएब अंसारी (पी आर ओ -प्लैटिनम हॉस्पिटल, मुलुंड सहित कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने अद्वितीय कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया। शिहान दयाशंकर पाल ने कहा, यह टूर्नामेंट न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि यह एकता और दृढ़ता के मूल्य को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम का समापन प्रभावशाली प्रदर्शनों और विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

उर्मिला पेट्रोल पम्प के संचालक दुर्गेश मिश्रा का जन्मदिन मनाया गया

प्रतापगढ़(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ़ पोस्ट सरायगनई, प्रतापगढ़ पट्टी रोड ग्राम पिपरी मोड़ पर स्थित उर्मिला फिलिंग स्टेशन के संचालक दुर्गेश मिश्रा (विक्की मिश्रा) का जन्मदिन बड़े सादगी ढंग से मनाया गया।

बता दें दुर्गेश मिश्रा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी अवधेश मिश्रा (रिक्की मिश्रा) के बड़े भाई है। उनका जन्म दिन दिनांक 14 जनवरी 2025 को मनाया गया। उस शुभ अवसर पर बड़े पिता पंडित रमाशंकर मिश्रा (सूबेदार), छोटे पिता दयाशंकर मिश्र, पिता विजय शंकर मिश्रा (मध्यप्रदेश सब इंस्पेक्टर), माता श्रीमती उर्मिला विजय शंकर मिश्र , भाई दिलीप मिश्रा , रणजीत मिश्रा, अरविन्द मिश्र, , अवधेश मिश्रा (रिक्की) , अम्बेश, आकाश, सत्यम, शुभम , बहन डाली एवं समस्त मिश्रा परिवार के तरफ से जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी है ।मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, मामा उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, फूल चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा , पत्रकार राजेश शर्मा , आशू मिश्रा, प्रिंश मिश्रा, मामी लीलावती मिश्रा , सीमा मिश्रा , उर्मिला मिश्रा (बबिता) ने भी जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए दिघार्यु होने की कामना करते हुए कहा कि मृग के कस्तूरी की सुगंध के भांति, ।दुर्गेश जी आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले।

होंडा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया ने नया 2025 डियो लॉन्च किया

मुंबई। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज डियो का नया वर्जन लॉन्च किया, जो OBD2B मानकों का अनुपालन करता है और कई उन्नत फीचर्स से लैस है। इसे युवाओं की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। 2025 होंडा डियो की शुरूआती कीमतफ्र. 74,930 रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) है।

नई डियो के लॉन्च के मौके पर, एचएमएसआई के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ सुतसुमु ओटानी ने कहा, डियो हमेशा से जोश और नवाचार का प्रतीक रहा है। 2025 डियो में हमने आधुनिक टेक्नोलॉजी, बेहतर प्रदर्शन और पर्यावरण के अनुकूल फीचर्स को जोड़ा है, जिससे यह स्कूटर का अनुभव नए स्तर पर पहुंचाता है। डियो की मूल मोटो स्कूटर की अवधारणा को बरकरार रखते हुए, हमने इसे और उन्नत बनाया है। हमें पूरा विश्वास है कि नया डियो भारतीय युवाओं की पहली पसंद बना रहेगा। इस अवसर पर होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग डायरेक्टर श्री अनुज माथुर ने कहा, ?हमारा उद्देश्य ऐसा परिवहन समाधान प्रदान करना है जो हमारे ग्राहकों के जीवन को और बेहतर बनाए। 2025 डियो स्टाइल, टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेंस का बेहतरीन मेल है। इसका OBD2B मानकों का अनुपालन करने वाला इंजन न केवल नए उत्सर्जन मानकों के अनुकूल है, बल्कि उत्कृष्ट प्रदर्शन और बेहतर ईंधन क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह मोटो स्कूटर हमारी टैगलाइन डियो वान्ना हैव फन के अनुरूप है, जो राइडिंग का रोमांच और नई पीढ़ी की उम्मीदों को पूरा करता है।

महाकुंभ की अद्भूद छटा देख हर कोई निहाल

-सुरेश गांधी

प्रयागराज। मकर संक्रांति के अमृत स्नान के साथ प्रयागराज में महाकुंभ की जो अद्भूद छटा दिखाई दी, उसकी तस्वीरें देख हर कोई हैरान हैं। इतनी बड़ी तादाद में लोग कुंभ क्षेत्र में पहुंचे, संगम में डुबकी लगाई लेकिन कहीं भी, किसी को, किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हुई, कोई शिकायत करने वाला नहीं मिला। ये दुनिया वालों के लिए अद्भुत, अविश्वसनीय, अकल्पनीय है। कहा जा सकता है साढ़े तीन करोड़ लोग एक जगह इकट्ठे हों, बिना किसी भगदड़ या धक्कामुक्की के स्नान करें, कहीं कोई गड़बड़ी न हो, किसी तरह की असुविधा न हो और सब खुशी खुशी वापस चले जाएं, ये दुनियाभर के लिए हैरानी की बात तो है ही। इसकी व्यवस्था करना कोई आसान नहीं होता।

इतनी बड़ी संख्या को नियंत्रित करना, उनके लिए सारी व्यवस्थाएं करना बहुत बड़ी चुनौती होती है। लेकिन योगी आदित्यनाथ ने इस चुनौती को बड़ी सरलता से पूरा किया। महाकुंभ के पहले अमृत स्नान के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महाकुंभ अमृत स्नान हैशटैग जबरदस्त ट्रेंड हुआ। हजारों यूजर्स ने महाकुंभ के दौरान ली गई तस्वीरें, वीडियो और सूचनाएं साझा की। सोशल मीडिया पर लोगों ने महाकुंभ में हुई व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की भारी संख्या, संगम स्नान और अपनी फोटो को खूब शेयर किया। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया ने मंगलवार को ऐलान किया है कि वह दिल्ली और प्रयागराज के बीच दैनिक उडा़न का संचालन करेगी। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया के 52 देशों

की आबादी साढ़े तीन करोड़ से कम है। यानि इतने देशों की जनसंख्या से ज्यादा लोगों ने प्रयागराज में बारह घंटे के दौरान पवित्र डुबकी लगाई। करीब चालीस देशों के लोग भी छोटे जत्थों में प्रयागराज पहुंचे हैं। विदेशी भक्तों ने भी महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई। ये लोग सनातनी नहीं है, हमारी भाषा नहीं समझते, हमारी संस्कृति को नहीं जानते। लेकिन महाकुंभ में आकर विदेशी भी सनातन के रंग में पूरी तरह डूबे दिखाई दिए।

साढ़े तीन करोड़ की भीड़ को मैनेज करना हंसी खेल नहीं हैं। इसके लिए सटीक प्लानिंग, मानव संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल, भक्तों की संख्या का सही अनुमान, उनकी जरूरतों के हिसाब से इंतजाम, आपात स्थितियों का सही आकलन और सबसे महत्वपूर्ण दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी है। योगी आदित्यनाथ ने अपनी संकल्पशक्ति के साथ यही किया। दो साल पहले से महाकुंभ की तैयारी शुरू की, बार बार प्रयागराज के दौरे किए, एक-एक चीज पर खुद नजर रखी, सबसे काबिल अफसरों को प्रयागराज में तैनात किया, सारी छोटी-बड़ी व्यवस्थाओं को खुद देखा, प्रॉपर प्लानिंग की, इसलिए पहला अमृत स्नान बिना किसी बाधा के सकुशल संपूर्ण हुआ। इसका श्रेय योगी आदित्यनाथ की सरकार के साथ-साथ उनके अफसर, सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी, वालंटियर्स और सफाई कर्मचारियों को भी मिलना चाहिए। हालांकि अभी उनकी जिम्मेदारी खत्म नहीं हुई है। अभी महाकुंभ डेढ़ महीने तक चलना है। इसलिए प्रार्थना करनी चाहिए कि सब कुछ अच्छा रहे और महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालु गंगा स्नान करके सनातन का जयकारा लगाते हुए सकुशल अपने घर वापस जाएं।

हिंदू समाज कळंबोली ने अपन मांगों को लकर मनपा आयुक्त से की मुलाकात

नवीं मुंबई। हिंदू समाज कळंबोली द्वारा गत 22 दिसम्बर 2024 को आयोजित आक्रोश मोर्चा को संज्ञान में लेकर आज हिंदू समाज एवं प्रभावित सोसाइटी के सदस्यो ने पनवेल महानगर पालिका के उप आयुक्त से मिलकर बीभिन्न मुद्दो से संबंधित कळंबोली के सभी अवैध चिकन और मटन की दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। लोगों की मांग को संज्ञान में लेते हुए लोगों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही महानगर पालिका अधिनियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

शांति भंग को देखते हुए 11को किया गया चालान

गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर पुलिस द्वारा शांति भंग को दृष्टिगत रखते हुए 11 अभियुक्त को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में किया गया चालान।डा0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत,अजीत कुमार रजक के पर्यवेक्षण मे थानाध्यक्ष फूलचन्द पाण्डेय के नेतृत्व मे उ0नि0 प्रदीप कुमार सिंह के द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं012/2025 धारा 137(2) /87 बीएनएस मे ग्राम पिलखिनी मे पहुंचकर मुकदमा उपरोक्त के सम्बन्ध मे वार्ता किया जा रहा था कि प्रथम पक्ष के 1.मोनू कश्यप पुत्र रामबिलाश 2. अजय गौतम पुत्र रघुराई निवासीगण पिलखिनी थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर मुकदमा लिखाने की बात को लेकर आमदा फौजदारी होने लगे थे जिन्हे शांति व्यवस्था के दृष्टिगत गिरफ्तार किया गया तथा उ0नि0 रामचन्द्र सिंह के द्वारा चांज प्रा0पत्र व पेण्डिंग विवेचनै मे ग्राम सरसौडा पहुंचे तो ज्ञात हुआ कि प्रथम पक्ष के अभिषेक पुत्र विनोद, रोहन पुत्र लल्लन द्वितीय पक्ष के, सुरज पुत्र रघुराई, माइकल पुत्र मंगल प्रसाद 3. विनय पुत्र स्व0 कंचन, विनित पुत्र स्व0 कंचन निवासी गण सरसौडा थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर के बीच मोटर साइकिल स्टैण्ड करने की बात को लेकर आपस मे आमादा फौजदारी हो रहे थे शांति व्यवस्था के दृष्टिगत उभय पक्ष को गिरफ्तार किया गया तथा उ0नि0 अरविन्द यादव के द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 13/2025 धारा 115(2)/ 352/351(2) बीएनएस की विवेचना मे ग्राम धमार्पुर पहुंचकर मुकदमा उपरोक्त के सम्बन्ध मे वार्ता किया जा रहा था कि प्रथम पक्ष के 1.मनोज पुत्र कोमल यादव 2. विनय यादव पुत्र भोलानाथ व द्वितीय पक्ष के 1. प्रदीप यादव पुत्र जयनाथ यादव निवासी गण धमार्पुर थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर आपस मे अमादा फौजदारी हो गये जिन्हे समझाने बुझाने का प्रयास किया गया परन्तु उभय पक्ष मानने को तैयार नही हुए शांति व्यवस्था के दृष्टिगत उभय पक्ष को गिरफ्तार किया गया । उपरोक्त मे उभय पक्षो का अन्तर्गत धारा 170/135/126 बीएनएसएस मे चालानी रिपोर्ट तैयार कर उपजिलाधिकारी सदर जौनपुर प्रेषित किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के चकिया हसनपुर गांव के महिलाओं व पुरुषों ने बुधवार को डीएम से मिलकर अपने बिजली के कनेक्शन को पुनः जोड़वाने की मांग किया है। उन लोगो ने अपने साथ न्याय करने की मांग किया है। ज्ञात हो ऊक्त गांव के लोगों का बिजली का बिल अधिक होने के चलते विभाग ने एक हफ्ते पूर्व बकायेदारों का केबल काट दिया था। महिलाओं का आरोप हैं कि बिजली विभाग के द्वारा मनमानी तरीके से लोगों का बिल भेज रहा हैं।जिसके चलते हम लोग बिल नही जमा कर सके।एक सप्ताह से बिजली का कनेक्शन कटने की वजह से हम सभी ग्रामीणों को दिक्कत हो रही हैं। लाइट न होने की वजह से इस ठंड में अँधेरे में रहने को मजबूर होना पड़ रहा हैं। ग्रामीणों ने डीएम से बिजली का बिल सुधरवाने तथा पुनः कनेक्शन जोड़वाने की मांग किया है। ग्रामीणों की समस्या सुनकर डीएम ने कहा कि मामले की जांच करा कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

एक को पीटकर, दूसरे को बाइक से रौदकर किया अधमरा

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शिवापर गांव में एक दर्जन बाइक से आये बदमाशों ने लाठी डंडे से लैस दो युवकों को बुरी तरह से पीट कर अधमरा कर दिया। जिसका वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद है। वीडियो में एक दर्जन दबंग युवकों ने एक युवक को गांव के रास्ते में लाठी डंडे से बुरी तरह घायल किया और दबंगों ने घायल युवक को खेत में फेंकदिया और फरार हो गये। दबंग युवकों ने दूसरे युवक के ऊपर बाइक चढ़ाकर गंभीर रूप से किया घायल। दोनों लोगों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिजनों ने थाने में नामजद तहरीर दिया जिसमें कुंदन यादव निवासी मोरिया मार्केट विराट ठाकुर निवासी हुसैनाबाद अमर प्रताप सिंह निवासी पंजाबी मार्केट एवं ऋषि चैहान सहित अज्ञात दर्जनों युवकों पर मारपीट करने का आरोप है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा द ह्यूमन पोटेंशियल कॉन्क्लेव - इग्नाइट 2025 के आयोजन की घोषणा

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ह्यूमन पोटेंशियल कॉन्क्लेव इग्नाइट - 2025 के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की गई है, जो पूरे भारत के बैंकों के मानव संसाधन और प्रशिक्षण प्रमुखों की एक प्रतिष्ठित सभा है. यह दो दिवसीय सम्मेलन 17 और 18 जनवरी, 2025 को बेंगलुरु में यूनियन बैंक ज्ञानार्जन केंद्र में आयोजित किया जाएगा. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, उद्योग में गर्व से अग्रणी, द्वारा प्रथम मानव संसाधन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. सम्मेलन का उद्देश्य बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लीडर्स को मानव संसाधन में नए ट्रेंड, चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाना है. इस कार्यक्रम में मुख्य भाषण, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग सत्र शामिल होंगे, जो ज्ञान साझा करने और सहयोग के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेंगे. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) के सचिव नागराजू मद्दिराला द्वारा इस सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया जाएगा.।

एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने क्रिटिकल शील्ड और एक्सीडेंट केयर राइडर्स के साथ नया सुपर कैश सुप्रीम प्लान लॉन्च किया

मुंबई। भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी नई पेशकश, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस सुपर कैश सुप्रीम प्लान के साथ दो बेमिसाल राइडर्स- क्रिटिकल शील्ड राइडर और एक्सीडेंट केयर राइडर पेश किए हैं। यह प्लान तुरंत नकदी सहायता के साथ-साथ लंबे समय की आर्थिक सुरक्षा का बेजोड़ संगम है, और इसी वजह से यह उन लोगों के लिए सबसे बेहतर विकल्प बन गया है, जो अपने परिवारों के लिए स्थिर आय के साथ-साथ व्यापक सुरक्षा चाहते हैं।

सुपर कैश सुप्रीम प्लान बेहद सुविधाजनक जीवन बीमा समाधान है, जिसे परिवार की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए अलग-अलग तरह के आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पॉलिसी के पहले साल में सुनिश्चित रिटर्न प्रदान करते हुए अपनी तरह के पहले गारंटीड सुप्रीम एडवांटेज का फायदा देता है। पॉलिसीधारक गारंटीड रिटर्न देने वाले विकल्पों में से अपना पसंदीदा विकल्प चुन सकते हैं, जिससे उन्हें बिना रुकावट के लगातार आय का लाभ मिलता है। सुपर कैश सुप्रीम प्लान में पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान जीवन बीमा कवरेज मिलता है, जिससे यह अपने आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के साथ-साथ अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे बेहतर विकल्प बन जाता है। एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस क्रिटिकल शील्ड राइडर को इस तरह डिजाइन किया गया है, जो गंभीर बीमारियों के खिलाफ आर्थिक सुरक्षा के साथ पॉलिसीधारकों की बेस लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी को बेहतर बनाता है।

रीवा में बीजेपी विधायक के पोस्ट से मचा बवाल, बोले- हो गई गलती, क्या है पूरा मामला

रीवा, मध्य प्रदेश (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री मोहन यादव के मीटिंग की एक फोटो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है जिसको लेकर अब भारतीय जानता पार्टी में अंदर ही अंदर आग लगी हुई है वायरल हुए पोस्ट को लेकर अब कांग्रेस नेता आग में घी डालने का काम कर रहे है। दरअसल, मनगवां से बीजेपी विधायक नरेंद्र प्रजापति ने मंगलवार अपने फेसबुक अकाउंट में एक पोस्ट शेयर की जिसके बाद बवाल मच गया इस बारे में जब मीडिया ने उनसे सवाल-जवाब किया तो उन्होनें अपनी सफाई में कहा की यह पोस्ट उनके पास आई थी और भूलवस उन्होनें उस पोस्ट को फेसबुक आईडी में शेयर कर दिया उनका कहना है की इसके पीछे उनका कोई मकसद नहीं था।सीएम

के मीटिंग की फोटो हुई वायरल

दरअसल, सोमवार की रात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अल्प प्रवास पर रीवा आए थे इस दौरान उन्होंने रीवा एयरपोर्ट में ही शहड़ोल जिले में अयोजित होने जा रहे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कार्यक्रम को लेकर उद्योगपतियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा की थी इस दौरान डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्रा, त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी, मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति सहित अन्य नेता और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थिति थे पूरे कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया में पोस्ट की गई थी फोटो से त्योथर विधायक सिद्दार्थ तिवारी गायब सफेद रंग पोता इन्हीं तस्वीरों में से एक तस्वीर ने मंगलवार को बवाल मचा कर रख दिया जिसको लेकर कांग्रेस भी अब हमलवार हो गई है। मंगलवार को मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट शेयर की जिसमे मुख्यमंत्री की मीटिंग की एक तस्वीर थी इस तस्वीर को एडिट की गई थी जिसमे त्योंथर विधायक सिद्दार्थ तिवारी की फोटो को सफेद रंग से पोतकर उन्हें गायब कर दिया गया था जबकि ओरिजनल फोटो में त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी सोफे में बैठे हुए दिखाई दे रहें है। मनगवां विधायक ने फेसबुक में पोस्ट की तस्वीर मचा बवाल मनगवां विधायक ने जैसे ही इस पोस्ट को शेयर किया।तो बवाल मच गया और इस बारे में जब मीडिया ने उनसे सवाल किया तो नरेंद्र प्रजापति अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की एक कार्यकर्ता के द्वारा एडिट की गई फोटो उन्हें दी गई थी। उन्होंने ध्यान नहीं दिया और उस फोटो को फेसबुक में पोस्ट कर दिया विधायक नरेंद्र प्रजापति ने कहा की अब ?मैं उस फोटो को न तो एडिट कर सकता हूं और न ही हटा सकता हूं. जो चल रहा है तो चल रहा है। सिद्धार्थ तिवारी हमारे नेता हैं।मैं उनके परिवार से वर्षों से जुड़ा हूं और उन्हीं के आशीर्वाद से मैं विधायक भी बना हूं. जो भी हुआ भूलवास हुआ।इसके पीछे उनका कोई गलत उद्देश्य नहीं था।कांग्रेस हुई हमलावर बोले उनके मुख में राम दिल में नाथूराम वहीं पूरे मामले में अब कांग्रेस भी हमलावर हो गई है। कांग्रेस नेता विनोद शर्मा का कहना है कि एक फोटो वायरल हुई है। इसमें न तो मनगवां विधायक की कोई गलती और न त्योंथर विधायक की कोई गलती है इसमें तो उन्होंने अपना चरित्र प्रस्तुत किया है। यही वो लोग हैं। जो कहते हैं कि कांग्रेस में गुटबाजी है। कांग्रेसी चले गए भाजपा में अब वो वहां अपना ओरिजनल रूप दिखा रहे है। अभी तो चेहरे पर कालिख पोती गई है। आने वाले समय में एक-दूसरे से लिपट-लिपट के चेहरों पर कालिख पोतेंगे फोटो में सीएम और डिप्टी सीएम भी बैठे दिख रहे है राजेंद्र शुक्ला की ताकत ही यही है वो चाहते हैं की सब मेरे पीछे-पीछे चले। वो रिमोट दबाएं तो तो मनगवां विधायक आ जाए इन भाजपाइयों के मुख में राम तो दिल में नाथूराम रहता है।

मुंबई में सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट का सराहनीय कदम, उपचार में आर्थिक सहयोग देकर दिखाई मानवता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा, चिकित्सा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय एनजीओ सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर जरूरतमंद परिवार की मदद कर समाज में सेवा भाव की मिसाल पेश की। संस्था ने 15 वर्षीय ममता प्रजापति, जो कि टीबी के इलाज के लिए संघर्ष कर रही हैं, को ?25,000 का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। ममता के पिता श्यामजी प्रजापति, जो गोरेगांव वडाला में रहते हैं, ने आर्थिक तंगी के चलते विभिन्न संस्थानों से मदद की अपील की थी! ट्रस्ट के संस्थापक अजय प्रजापति, जो कल्याण, मुंबई के निवासी हैं, ने सचिव विनोद कुमार प्रजापति के साथ मिलकर वडाला स्थित ममता के किराए के घर पर यह सहायता राशि चेक के माध्यम से सौंपी। इस दौरान

उन्होंने ममता की स्थिति का जायजा भी लिया। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट हर महीने किसी न किसी जरूरतमंद की सहायता करता है। इस नेक पहल में कोषाध्यक्ष इंद्रजीत प्रजापति, स्थायी सदस्य पियूष प्रजापति (नोएडा), रविंद्रनाथ प्रजापति, अशोक शोगी, राजेश प्रजापति, बीएल प्रजापति, प्रशांत प्रजापति, दिनेश प्रजापति समेत सैकड़ों सदस्यों का आर्थिक योगदान शामिल है। संस्था को किसी प्रकार का सरकारी अनुदान नहीं मिलता है। इसके बावजूद सभी सदस्य अपने स्तर पर सहयोग देकर समाज सेवा को एक नई दिशा दे रहे हैं। पूरे देश से लोग अब इस ट्रस्ट से जुड़कर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संस्थापक अजय प्रजापति का मानना है कि सेवा भाव को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी हर इंसान की है। ट्रस्ट द्वारा ममता के इलाज में की गई मदद इस बात का प्रमाण है कि समाज में सामूहिक प्रयासों से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं।

केनडियर नोज पिन आपके लुक में चार चांद लगाएगी

मुंबई। एक नथ सिर्फ एक आभूषण नहीं है यह सुंदरता और आपके व्यक्तित्व का एक सूक्ष्म लेकिन सशक्त प्रतीक है। चाहे आप किसी विशेष अवसर के लिए अपने दैनिक रूप को निखारना चाहते हों, एक सही नोज पिन (नथ) आपके अंदाज को बड़ी सहजता से बदल सकती है। जटिल फूलों की डिजाइनों से लेकर स्लीक जियोमेट्रिक पैटर्न तक नोज पिन हर किसी के व्यक्तित्व से मेल खाने वाली शैलियों में उपलब्ध हैं। परंपरा और आधुनिकता के संगम से बने ये शानदार पीस किसी भी पहनावे में चार चांद लगा देते हैं। तो डालिए, कल्याण ज्वैलर्स के लाइफस्टाइल ज्वेलरी ब्रांड केनडियर के बेहतरीन नोज पिन और नोज रिंग पर एक नजर... जो आपकी खूबसूरती को बढ़ाने और रंग जमाने का वादा करते हैं। 18 कैरेट यलो गोल्ड में बनी मनमोहक मूनलाइट डायमंड नोज पिन के साथ अपनी स्टाइल को और बेहतर बनाएं। चांद की तरह घुमावदार आकार में बनी यह नोज पिन, अपने चमकीली हीरों की जगमगाहट से हर पहनावे में एक जादुई एहसास भर देती है। यह सुंदर आभूषण उन लोगों के लिए है जो सादा लेकिन आकर्षक गहने पसंद करते हैं, इसकी यही खासियत इसे रोजमर्रा और खास मौकों, दोनों के लिए सटीक पसंद बनाती है।

श्री रामलीला उत्सव समिति के तत्वावधान में सुंदर काण्ड पाठ एवं खिचड़ी महोत्सव संपन्न

-आदेश मिश्र

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति के मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल के नेतृत्व में अमृतनगर सर्कल, घाटकोपर वेस्ट, मुंबई में विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर एक भव्य खिचड़ी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रसिद्ध भजन गायक कमलेंद्र मिश्र मटरू और विमलेश मिश्र, नन्हें मिश्र (ढोल वादक) की सुरीली आवाज में सुंदर काण्ड पाठ हुआ। तत्पश्चात आरती किया गया। समिति अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों लोग मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाने के लिए उपस्थित हुए। और खिचड़ी महोत्सव में सम्मिलित होकर खिचड़ी का स्वाद लिया और एक दूसरे के साथ इस खुशी के मौके का आनंद लिया। चंद्रशेखर आर शुक्ल ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह

पर्व न केवल हमारे संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का अवसर है, बल्कि हमें सत्य सनातन धर्म, संस्कार और संस्कृति को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी भी है। इस महोत्सव के माध्यम से हम एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर समिति प्रमुख चंद्रशेखर आर शुक्ल, समिति अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल, सचिव दिवाकर मिश्र, समाजसेवी सुधाकर मिश्र,मुंबई कांग्रेस के सचिव राम गोविंद यादव, समाजसेवी सुधाकर मिश्र, शिंदे गुट डॉ. सुबोध बावदने, ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल, समिति कर्याध्यक्ष रामबिलास पाठक, दलजीत पांडेय, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, बृजेश शुक्ल,सर्वदेव पांडेय, मनिकेश तिवारी,राजन सिंह,देवेंद्र प्रताप सिंह, अनिल सिंह, चंद्रमणी सिंह,एड पंकज मिश्र,राजकुमार तिवारी, बाबुलनाथ तिवारी, शुभम सिंह, अवधेश तिवारी, रामतीर्थ शर्मा,राजेश सिंह, ब्रम्हदेव दुबे, ओमप्रकाश पांडेय, सचिन शुक्ल, राजेश पांडेय, एड सुमित पाल,शेषमणि मिश्र, प्रथम शुक्ल सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गौरतलब है यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि परंपरागत खिचड़ी महोत्सव के माध्यम से न केवल सांस्कृतिक एकता को बल मिलता है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाकर मेल मिलाप के साथ एक मजबूत भाईचारा स्थापित होता है।

महाकुंभ में लेजर वॉटर स्क्रीन शो बना आकर्षण का केंद्रं

प्रयागराज। महाकुंभ में रोजाना नए रिकॉर्ड बन रहे हैं. ये रिकॉर्ड किसी और वजह से नहीं बल्कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की वजह से बन रहे हैं. तीन दिनों में लगभग 6 करोड़ लोगों ने प्रयागराज के संगम में डुबकी लगाई है. ये आंकड़ा हर रोज बढ़ता जा रहा है. कुंभ के चौथे दिन भी जबरदस्त भीड़ उमड़ने की उम्मीद है. खास यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए भव्य लेजर वॉटर स्क्रीन शो विशेष आकर्षण का केन्द्र बना है। यमुना नदी के तट पर स्थित काली घाट पर आयोजित इस शो में हर दिन बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंच रहे हैं। इसे टेमफ्लो

सिस्टम्स, गाजियाबाद द्वारा विकसित किया गया है। शो में आधुनिक तकनीक के माध्यम से महाकुंभ की प्राचीन गाथाओं को प्रभावशाली और सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है

जी हां, महाकुंभ में लेजर वॉटर स्क्रीन शो में पानी की स्क्रीन पर उभरती अद्भुत छवियों और ध्वनि प्रभावों ने महाकुंभ और प्रयागराज की ऐतिहासिक और धार्मिक गाथाओं को जीवंत कर दिया है। इसमें दिखाए गए दृश्य महाकुंभ के गौरवशाली अतीत और सनातन परंपराओं की झलक प्रस्तुत करते हैं। शो में प्रयागराज के धार्मिक स्थलों, पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक महत्व को इस तरह प्रदर्शित किया गया है कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। यह लेजर वॉटर स्क्रीन शो सभी के लिए निशुल्क है। श्रद्धालु और पर्यटक शाम 7 बजे से 9 बजे के बीच दो शो का आनंद ले सकते हैं, जिनकी अवधि 45 मिनट है। इस अभिनव पहल ने महाकुंभ में आने वाले लोगों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया है। प्रत्येक शाम शो के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि यह आयोजन महाकुंभ के मुख्य आकर्षणों में से एक बन गया है। उपस्थित दर्शकों ने इस शो की सराहना करते हुए इसे संस्कृति और परंपरा के संरक्षण का बेहतरीन उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, पर्यटन विभाग ने इस अनोखे और तकनीकी रूप से उन्नत शो को प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी है। यह लेजर वॉटर स्क्रीन शो न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा बल्कि उन्हें प्रयागराज और महाकुंभ के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व से भी अवगत करा रहा है। इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपरा के संरक्षण और प्रचार में योगदान देना है।

वैश्विक पर्व बन गया है महाकुंभ

देखा जाएं तो महाकुंभ अब सिर्फ भारतीय आयोजन नहीं रहा, यह एक वैश्विक पर्व बन गया है। ब्राजील, जर्मनी, जापान, इंग्लैंड, अमरीका और स्पेन जैसे देशों के श्रद्धालु भी प्रयागराज पहुंचने लगे हैं। यह आयोजन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनातन संस्कृति के बढ़ते प्रभाव को दिखा रहा है। खास बात यह है कि पाकिस्तान और अरब समेत इस्लामिक देश भी महाकुंभ में रुचि दिखा रहे हैं। इस्लामिक देशों में महाकुंभ को लेकर बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है.